दैनिक
सनातन वीर
Reg.No. DLHIN/26A2738
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

नगर संस्करण | नई दिल्ली, मंगलवार, 08 सितंबर 2026 | वर्ष : 01, अंक : 34, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

मौसम फिर बदलेगा रंग

15 से ज्यादा राज्यों में भारी बारिश-आंधी का अलर्ट; बिहार से हिमाचल तक कैसे रहेंगे हालात?

नई दिल्ली/शिमला ● एजेंसी

दक्षिण-पश्चिम मानसून एक बार फिर कई राज्यों में सक्रिय होने जा रहा है। इसके असर से हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत उत्तर-पश्चिम भारत से लेकर मध्य, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के 15 से अधिक राज्यों में 8 सितंबर से भारी बारिश और आंधी-तूफान की संभावना है। बिहार और ओडिशा जैसे पूर्वी भारत के कुछ राज्यों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने और कुछ जगहों पर बिजली भी गिर सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से लेकर दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में कम दबाव का क्षेत्र बना है। दक्षिण गुजरात से उत्तर प्रदेश के मध्य भागों तक निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवात के रूप में हवा चल रही है। इन प्रणालियों के चलते ही मंगलवार से मौसम में बदलाव हो रहा है। 13 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में कुछ जगहों पर बारिश

होने की संभावना है। इस दौरान 13 सितंबर को हिमाचल प्रदेश और 10-13 सितंबर तक उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश हो सकती है।

बिहार में सामान्य से 55 फीसदी अधिक बारिश- मौसम में इस बदलाव से बिहार में हालात और बिगड़ सकते हैं, जहां पहले से ही 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 29.13 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में सितंबर में अब तक सामान्य से 55 फीसदी अधिक 69.1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। पटना में गांधी घाट और हाथीदह पर गंगा नदी के जलस्तर के उच्चतम बाढ़ स्तर तक पहुंचने के बाद अधिकारियों ने गंगा के निचले इलाकों में पहले ही अलर्ट जारी कर दिया है।

शिमला में 59 सड़कों पर आवाजाही ठप- हिमाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को मौसम साफ रहा, शिमला में शाम के वक्त हल्की बारिश हुई। कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। प्रदेश में अब भी 59 सड़कें आवाजाही के लिए बंद रहीं। कई स्थानों पर भूस्खलन और मलबा आने से सड़कें बाधित हुई हैं।

पूर्वी भारत में गरज और चमक के साथ पड़ेंगी बौछारें- आईएमडी के अनुसार, अगले चार-पांच दिनों के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग स्थानों पर मूसलाधार यानी भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, पूर्वी मध्य प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भी भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी भारत के ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। झारखंड के सरायकेला-खरसवान जिले में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

मध्यप्रदेश में शराब नहीं, मौत बंटी

पिता-बेटा समेत 22 की मौत; 112 अस्पताल पहुंचे, 30 आरोपी पुलिस के निशाने पर

सागर ● एजेंसी

सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मृतकों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग बीमार हैं, जिन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब ठेकेदार समेत 30 लोगों पर FIR दर्ज की गई है। पुलिस ने 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 225.12 लीटर अवैध देशी शराब जब्त की है।

मामले में प्रशासनिक कार्रवाई भी की गई है। बंडा SDM आरती यादव को कलेक्ट्रेट कार्यालय सागर में पदस्थ कर दिया गया है। उनकी जगह डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार जैन को बंडा SDM का प्रभार दिया गया है। जैन के पास शाहगढ़ का अतिरिक्त प्रभार भी रहेगा।

14 आरोपी गिरफ्तार, 225 लीटर शराब जब्त बंडा और विनायका थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कुल 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1249 पाव यानी 225.12 लीटर देशी लाल मसाला सागर गोल्ड कंपनी की शराब जब्त की गई है। बंडा पुलिस ने चार आरोपियों से 345 पाव यानी 62.4 लीटर शराब जब्त की।

वहीं विनायका पुलिस ने 10 आरोपियों से 904 पाव यानी 162.72 लीटर शराब बरामद की। सभी गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। पुलिस शराब के निर्माण, बिक्री और सप्लाई नेटवर्क की जांच कर रही है।

कलेक्टर बोलीं- 13 मौतों में शराब की पुष्टि- कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अब तक 13 मौतों की पीएम रिपोर्ट में शराब की पुष्टि हुई है। कुछ अन्य मौतों में अलग-अलग कारण सामने आए हैं। पूरे मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। इसमें घटनाक्रम, मौतों के कारण और जिम्मेदारों की भूमिका समेत सभी बिंदुओं की जांच होगी।

उमंग सिंघार ने CM को पत्र लिखा- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सागर में जहरीली शराब से 22 से अधिक लोगों की मौत को गंभीर और दुखद बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

"यह ग्रसदी सरकार, पुलिस, प्रशासन और सत्ताधारी दल के नेताओं व शराब माफिया के मिलीभगत का परिणाम है, जो सिस्टम के जरिए अवैध व जहरीली शराब बिकवा रहे हैं। आबकारी मंत्री को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

जीतू पटवारी
एमपी कांग्रेस, अध्यक्ष

साथ ही संबंधित पुलिस और आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और प्रभावित क्षेत्रों समेत पूरे प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की।

सोमवार को 6 और मौतें- सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी की मौत हुई। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात मौत हुई थी। उनके पिता गोविंद लोधी की भी रविवार को मौत हो गई थी।

रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है। दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और मुड़ना पैरा निवासी देश कुमार लोधी की भी मौत हुई।

सुप्रीम कोर्ट का हवाला, गिरफ्तारी पर सवाल

'एफआईआर रद्द थी तो स्वतंत्र भारद्वाज जेल कैसे पहुंचे?'

नई दिल्ली ● एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार को स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी को लेकर सुनवाई हुई। भारद्वाज के वकील ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर मामले से जुड़ी सारी FIR रद्द कर दी थीं, तो दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जाकर उसे गिरफ्तार करने की हिम्मत कैसे की।

कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से साफ जवाब मांगा कि संबंधित FIR अभी है या नहीं। कोर्ट ने पुलिस को तुरंत बयान देने या हलफनामा दाखिल करने का विकल्प दिया। इस बीच, कोर्ट ने भारद्वाज की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाकर 21 सितंबर तक कर दी। भारद्वाज को 23 जून को संजय आजाद पर हमले के मामले में तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्पेशल जज सौरभ प्रताप सिंह लालेड़ के सामने पेश किया गया था। भारद्वाज को 4 सितंबर को बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद

उन्हें दिल्ली लाया गया। 5 सितंबर को कोर्ट ने पुलिस को एक दिन की कस्टोडियल पूछताछ की अनुमति दी। इसके बाद रविवार को उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। यह गिरफ्तारी एक वीडियो पॉडकास्ट के बाद हुए विवाद के बीच हुई। इसमें भारद्वाज ने दावा किया था कि जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान उन्होंने संजय आजाद का सर फोड़ दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि हमले के चलते IPC की धारा 307 लगाई गई। बाद में भारद्वाज ने दावा किया कि उन्होंने आत्मरक्षा में ऐसा किया था।

स्वतंत्र भारद्वाज-नीशू आजाद केस

4 सितंबर: नीशू आजाद और उनके पिता के समर्थन में CJP नेताओं और समर्थकों ने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया। नीशू की ओर से वकील ऋषव रंजन ने पुलिस से हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और SC/ST Act की संबंधित धाराएं जोड़ने की मांग की। पुलिस ने ये धाराएं जोड़ीं। स्वतंत्र हिरासत में लिया गया।

5 सितंबर: स्वतंत्र भारद्वाज के समर्थन में दिल्ली में हिंदू संगठन ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दक्ष चौधरी ने बुलाया था। दक्ष हाई प्रोफाइल लोगों से मारपीट करने और थप्पड़ लगाने के लिए जाना जाता है। उसने कन्हैया कुमार को भी थप्पड़ मारा था।

डेढ़ लाख शिक्षक परीक्षा देंगे, लेकिन परीक्षा कौन कराएगा? ESB ने ऑफलाइन TET से खींचे हाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों की शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) कराने को लेकर नया पेंच सामने आया है। मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री की घोषणा के बाद परीक्षा ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन कराने के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर कर्मचारी चयन मंडल (ESB) ने परीक्षा कराने से इनकार कर दिया है। अब स्कूल शिक्षा विभाग दूसरी एजेंसी के जरिए परीक्षा कराने या खुद परीक्षा आयोजित कराने के विकल्प पर विचार कर रहा है। इस पर अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लौटने के बाद होगा। ESB ने कहा है कि पिछले छह साल से मंडल सिर्फ ऑनलाइन परीक्षा करा रहा है, इसलिए वह ऑफलाइन परीक्षा नहीं करा सकेगा। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया- अगर TET (Teacher Eligibility Test) परीक्षा ऑफलाइन आयोजित करानी पड़ी तो इसमें अधिक समय लग सकता है। इसलिए स्कूल शिक्षा विभाग TET और भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अन्य सभी विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने बताया- कर्मचारी चयन मंडल ने सिर्फ ऑनलाइन परीक्षा कराने की बात कही है। ऐसे में अब शासन दूसरी एजेंसियों के माध्यम से परीक्षा कराने की व्यवस्था में जुटा है।

पाकिस्तान की 'एआई वाली जीत': संसद से एयरबेस तक उड़ाए, सबूत में सिर्फ ग्राफिक्स

इस्लामाबाद ● एजेंसी

पाकिस्तानी सेना ने मई 2025 में भारत के साथ हुए संघर्ष को लेकर एक नया वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में भारत की संसद पर हमला होते हुए दिखाया गया है। साथ ही, इसमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने भारत के 32 एयरफोर्स बेस पर हमला किया, 8 भारतीय विमान गिराए और 2 S-400 एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट किए। वीडियो में ज्यादातर घटनाओं को AI, ग्राफिक्स और एनीमेशन के जरिए दिखाया गया है

वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर इसका मजाक बनने लगा। एक यूजर्स ने कहा कि वे हकीकत में नहीं जीत पाए तो AI का सहारा लेना पड़ा। वहीं दूसरे ने सवाल किया कि अगर इतनी बड़ी जीत हुई है तो सैटेलाइट तस्वीरें कहां हैं, क्यों सिर्फ ग्राफिक्स पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

पाकिस्तान ने 32 भारतीय एयरबेस को निशाना बनाने का दावा तो किया है, लेकिन

संसद पर हमले का AI वीडियो भी दर्शाया गया।

भारत के 32 बेस पर हमले का दावा।

वीडियो में इसके समर्थन में सैटेलाइट तस्वीरें या हमले के पहले और बाद की तस्वीरें नहीं दिखाई गई हैं।

रनवे के नुकसान या नष्ट हुए हैंगर की ऐसी तस्वीरें भी नहीं हैं। इसके उलट, मई 2025 में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर हुए भारतीय हमलों के बाद सैटेलाइट तस्वीरों से नुकसान की पुष्टि हुई थी।

वॉशिंगटन पोस्ट ने 2 दर्जन से ज्यादा सैटेलाइट तस्वीरों और हमले के बाद के वीडियो का विश्लेषण किया था। इसमें पाकिस्तान के कम से कम 6 एयरफील्ड पर नुकसान मिला था। इनमें 3 बड़े हैंगर, 2 रनवे और पाकिस्तान एयरफोर्स की 2 मोबाइल इमारतों को नुकसान शामिल था।

नूर खान, भोलारी, शाहबाज, सुक्कुर और मुशफ जैसे ठिकानों पर भी नुकसान दिखाई दिया था। भोलारी में एक एयरक्राफ्ट हैंगर में बड़ा छेद मिला था, जबकि शाहबाज में हैंगर और कंट्रोल टावर को नुकसान पहुंचा था।

अष्टमी को बंगाल में 'ड्राई डे' का ऐलान : मां की भक्ति में शराब-बंद, बार वालों की भी छुट्टी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर राज्य सरकार ने कई अहम फैसले किए हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को घोषणा की कि महाअष्टमी के दिन पूरे राज्य में शराब की दुकानें और बार बंद रहेंगे। इसके साथ ही दुर्गा पूजा और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे बजाने पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। मुख्यमंत्री ने दुर्गा पूजा समितियों से त्योहार की पारंपरिक और धार्मिक भावना का ध्यान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूजा की मूर्तियों, पंडालों और थीम से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए।

दुर्गा पूजा में DJ बजाने पर भी लगी रोक- सरकार ने दुर्गा पूजा समारोह और विसर्जन जुलूसों के दौरान डीजे संगीत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहार के दौरान अनुशासन बनाए रखना और दुर्गा पूजा के पारंपरिक स्वरूप को सुरक्षित रखना जरूरी है।

क्या थीम आधारित दुर्गा पूजा पर भी रोक रहेगी?- थीम आधारित पूजा की अनुमति रहेगी, लेकिन पूजा समितियों को थीम चुनते समय सावधानी बरतनी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूर्ति, पंडाल और थीम ऐसी नहीं होनी चाहिए जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हों या सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचे।

पति या हैवान? पत्नी का सिर फ्रिज में रखा, उंगलियां काटीं; बदबू ने खोल दिया खौफनाक राज

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग करके फ्रिज में रख दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ था जब, वह बॉडी कुत्ते को खिलाने की तैयारी में था, लेकिन तेज बदबू आने पर पड़ोसियों ने पुलिस बुला ली। पुलिस फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसी तो 25 साल की रिया तालुकदार का धड़ मिला। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि हत्या के बाद रामानुजन ने उसी कमरे में खाना बनाया और खाया था। इसके बाद उसने रिया के शव को काटकर मांस कुत्तों को खिलाने की योजना बनाई थी। लेकिन, खाना खाने के बाद वह घर से भाग निकला। रामानुजन का पैतृक घर धुबरी जिले के गौरीपुर में है, जहां उसके माता-पिता रहते हैं। आरोपी के खिलाफ धुबरी थाने में एटीएम चोरी से संबंधित मामला दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस रामानुजन से पूछताछ कर रही है।

महाप्रसाद पर नियमों का प्रसाद, डीजे पर मंडलों का समर्थन

मुंबई ● एजेंसी

मुंबई के सार्वजनिक गणपति मंडलों की समन्वय समिति ने आगामी गणेशोत्सव को लेकर खाद्य सुरक्षा और डीजे पर नियमों को लेकर अपना रुख साफ किया है। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने महाप्रसाद बांटने के नियमों और उसकी तैयारी से जुड़ी एसओपी पर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से स्पष्ट जानकारी मांगी है।

समिति के अध्यक्ष नरेश दहिभावकर ने कहा कि मंडल खाद्य सुरक्षा से जुड़े कदमों का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन छोटे मंडलों के लिए महंगे ठेकेदार नियुक्त करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि अगर किसी खास एजेंसी या ठेकेदार को

गणेश मंडलों ने एफडीए से पूछा- आखिर करना क्या है?

जरूरी किया गया है तो सरकार को इसकी स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए।

महाप्रसाद को लेकर क्या चाहते हैं गणपति मंडल?- एफडीए ने हाल ही में पूरे साल खाद्य सुरक्षा की निगरानी के लिए नई एसओपी लागू की है। इसके तहत त्योहार से 21 दिन पहले जांच शुरू की जाएगी। अधिकारियों को मिलावट की आशंका वाले खाद्य पदार्थों और स्थानों की पहचान कर वहां निरीक्षण करना होगा। दहिभावकर ने कहा कि अगर महाप्रसाद पर पूरी तरह रोक लगानी है तो सरकार इसे स्पष्ट करे। उनके मुताबिक, समिति ने इस संबंध में अधिकारियों को पत्र भी भेजा है।

DJ बजाने पर गणपति मंडलों का क्या रुख है?- डीजे पर रोक के सवाल पर समिति ने कहा कि यह फैसला सरकार और स्थानीय प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में आता है। मंडलों को तय ध्वनि सीमा का पालन करना चाहिए। समिति के अनुसार दिन में 55 और रात में 45 डेसिबल की सीमा लागू है।

पर्यावरण प्रभाव कम करने के लिए उसने विसर्जन की रोटेशन व्यवस्था का सुझाव दिया है। समिति के मुताबिक, पिछले साल करीब 72,300 पर्यावरण अनुकूल मूर्तियों और करीब 1.11 लाख POP मूर्तियों का विसर्जन हुआ था। मूर्तियों की ऊंचाई को लेकर समिति ने कहा कि सरकार और BMC को सड़क, ट्रैफिक, बिजली, सुरक्षा और विसर्जन व्यवस्था को ध्यान में रखकर नियम बनाने चाहिए।

दिल्ली सत्य निकेतन हादसा: उदासी के बीच हमदर्दी की मिसाल

सहारा बने छात्र, गुरुद्वारे का लंगर भर रहा पेट

नई दिल्ली ● एजेंसी

सत्य निकेतन में इमारत ढहने के बाद का मंजर दिल दहला देने वाला है। हादसे के बाद इलाके में दहशत और मातम का माहौल है। सुरक्षा कारणों से आसपास के बाजार बंद होने से खाने-पीने की चीजों की किल्लत भी पैदा हो गई है। ऐसे मुश्किल समय में छात्रों ने एक-दूसरे का सहारा बनकर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की है।

सुरक्षा कारणों से जिन पीजी (पेइंग गेस्ट) आवासों को खाली कराया जा रहा है, वहां रहने वाले बेघर छात्रों को उनके साथी अपने कमरों में जगह दे रहे हैं। छात्र जरूरतमंद साथियों को रहने से लेकर खाने और दूसरी जरूरी चीजों तक हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं।

इलाके का गुरुद्वारा भी छात्रों के लिए बड़ी राहत का केंद्र बन गया है। बाजार बंद होने के कारण भोजन की परेशानी झेल रहे छात्र गुरुद्वारे पहुंचकर निशुल्क लंगर ग्रहण कर रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस सेवा दल और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के छात्र वालंटियर समूह भी राहत कार्य में जुटे हैं। वालंटियर छात्रों को भोजन के पैकेट और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा रहे हैं और प्रशासन के राहत कार्यों में भी सहयोग कर रहे हैं।

राजनीतिक सक्रियता से मांग दबने की चिंता- हादसे के बाद छात्रों में राहत के साथ अपनी मांगों को लेकर चिंता भी है। उनका कहना है कि राजनीतिक दलों और नेताओं की अतिसक्रियता के बीच उनकी वास्तविक समस्याएं कहीं पीछे न छूट जाएं। छात्रों की प्राथमिकता घायलों का बेहतर इलाज, उचित मुआवजा और सुरक्षित आवास की व्यवस्था है। डीयू के विभिन्न कॉलेजों से पहुंचे छात्रों ने कहा कि छात्रावास उपलब्ध कराने और किराया नियंत्रण जैसी मांगों को भी गंभीरता से उठाया जाना चाहिए। इसी को लेकर छात्र सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में वे जरूरतमंद छात्रों की मदद के लिए अपील कर रहे हैं। इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया मंचों पर भी छात्र राहत कार्यों के साथ अपनी मांगों को मजबूती से उठाने में जुटे हैं।

कब बदलेगी यह तस्वीर? : स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में 21वें नंबर पर दिल्ली, कागज पर सफाई, सांसों में अब भी जहर

नई दिल्ली ● एजेंसी

दिल्ली की हवा भले ही सर्दियों में सांस लेना मुश्किल कर देती हो, लेकिन केंद्र सरकार के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में राजधानी 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में 21वें स्थान पर पहुंच गई है। पिछले साल दिल्ली 32वें स्थान पर थी। रैंकिंग में दिल्ली की प्रदूषण नियंत्रण कोशिशों और उनके अमल को भी परखा गया है, इसलिए यह रैंक हवा के साफ होने का प्रमाण नहीं है। असली तस्वीर यह है कि प्रदूषण कम करने के तमाम प्रयासों के बावजूद दिल्ली की हवा अभी भी राष्ट्रीय मानकों से काफी दूर है। अब आने वाली सर्दी बताएगी कि कागज पर हुए प्रयास जमीन पर सांसों को कितना राहत दे पाए।

केंद्र के सर्वेक्षण में शहरों को केवल यह देखकर अंक नहीं दिए जाते कि उनकी हवा कितनी साफ है। सड़क की धूल, ठोस कचरा प्रबंधन, वाहनों और उद्योगों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण एवं तोड़फोड़ के कचरे का प्रबंधन और जन-जागरूकता जैसे काम भी जांचे जाते हैं। प्रक्रिया में शहरों का स्व-मूल्यांकन, राज्य स्तर पर मंजूरी, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का मूल्यांकन और स्वतंत्र टीमों का मैदानी सत्यापन शामिल रहता है। रैंकिंग में सुधार के बावजूद दिल्ली की हवा को साफ नहीं कहा जा सकता। 2025 में राजधानी का औसत पीएम10 स्तर 198 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम2.5 स्तर 97 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा। राष्ट्रीय वार्षिक मानक क्रमशः 60 और 40 माइक्रोग्राम हैं। यानी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद प्रदूषण का स्तर सुरक्षित सीमा से काफी ऊपर है। सर्दियों में स्थिति और बिगड़ती है और एक्यूआई गंभीर श्रेणी तक पहुंच जाता है।

पैसा खूब, अब नतीजे की बारी- दिल्ली सरकार ने प्रदूषण से लड़ने के लिए इस वित्त वर्ष में करीब 21,630 करोड़ रुपये का पर्यावरण प्रावधान किया है। आपात और अल्पकालिक प्रदूषण नियंत्रण उपायों के लिए 300 करोड़ रुपये का विशेष फंड भी रखा है। इसके अलावा विश्व बैंक के साथ 8,300 करोड़ रुपये की स्वच्छ हवा, स्वस्थ दिल्ली परियोजना शुरू हुई है। सात साल की इस परियोजना में विश्व बैंक की हिस्सेदारी 65 फीसदी और दिल्ली सरकार की 35 फीसदी होगी। अब सवाल यह है कि इतनी बड़ी रकम का असर दिल्ली की हवा में कितनी जल्दी दिखाई देता है।

धूल और निर्माण पर तकनीक का सहारा- दिल्ली में सड़क की धूल कम करने, रिंग रोड को धूल मुक्त बनाने और डिवाइडरों के आसपास हरियाली बढ़ाने पर काम हो रहा है। निर्माण स्थलों की निगरानी के लिए एआई आधारित पोर्टल भी शुरू किया गया है। वाहनों के प्रदूषण पर नकेल कसने के लिए नो पीयूसी, नो फ्यूल और पुराने मानकों वाले व्यावसायिक वाहनों पर रोक जैसे कदम उठाए गए हैं। इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा बढ़ाने और नए ईवी चार्जिंग केंद्र तैयार करने की दिशा में भी काम चल रहा है।

दिल्ली वालों की जिम्मेदारी भी कम नहीं- दिल्ली की हवा केवल सरकारी आदेशों से साफ नहीं होगी। करोड़ों की आबादी वाले शहर में हर नागरिक की रोजमर्रा की आदतें हवा पर असर डालती हैं। निजी वाहन का अनावश्यक इस्तेमाल कम करना, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, कचरा नहीं जलाना, निर्माण सामग्री खुले में न छोड़ना और पीयूसी की अनदेखी नहीं करना जैसे छोटे कदम सामूहिक रूप से बड़ा असर डाल सकते हैं।

सर्दी बताएगी कितनी बदली दिल्ली- दिल्ली की रैंकिंग में सुधार निश्चित तौर पर प्रयासों का संकेत है, लेकिन इसे जीत मान लेना जल्दबाजी होगी। पिछले साल भी प्रदूषण में सुधार का दावा किया गया था, लेकिन सर्दियों में राजधानी की हवा फिर खराब हो गई। इस बार सरकार के सामने चुनौती सिर्फ योजनाएं बनाने या बजट खर्च करने की नहीं, बल्कि उनके असर को लगातार जमीन पर दिखाने की है। दिल्ली वालों को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। क्योंकि साफ हवा की लड़ाई में सरकार और नागरिक दोनों की भूमिका बराबर है।

15 साल पुराने फर्जी पासपोर्ट मामले में आचार्य बालकृष्ण को बड़ी राहत, सीबीआई अदालत ने किया बरी

नई दिल्ली ● एजेंसी

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री और योगगुरु बाबा रामदेव के सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को करीब 15 साल पुराने फर्जी दस्तावेज और पासपोर्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। देहरादून की विशेष सीबीआई अदालत ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आचार्य बालकृष्ण को मामले में लगाए गए सभी आरोपों से बरी कर दिया। मामला वर्ष 2011 में सामने आया था। आचार्य बालकृष्ण पर आरोप था कि उन्होंने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश के खुर्जा स्थित एक संस्कृत महाविद्यालय से जुड़े कथित फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल किया। शिकायत के बाद सीबीआई ने अप्रैल 2011 में प्रारंभिक जांच शुरू की और जुलाई 2011 में प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई की कार्रवाई में आचार्य बालकृष्ण पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उनका वास्तविक दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए थे। इसके अलावा पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चलती रही। आचार्य बालकृष्ण के वकील प्रवीण सेठ के अनुसार, सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर मुकदमा चलाया गया था और सोमवार को विशेष अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। इस फैसले के साथ आचार्य बालकृष्ण से जुड़े करीब डेढ़ दशक पुराने इस कानूनी मामले का महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हो गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला: बिना उचित कारण पति से अलग रहने पर पत्नी को भरण-पोषण का अधिकार नहीं

नई दिल्ली। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि पति से अलग रहने वाली पत्नी को गुजारा भत्ता अपने आप नहीं मिल जाता। अदालत ने एक महिला की पुनरीक्षण याचिका खारिज करते हुए कहा कि पत्नी को यह साबित करना होगा कि उसके अलग रहने का उचित और वाजिब कारण था।

मामला एक ऐसे दंपती से जुड़ा है, जिनकी शादी वर्ष 1995 में हुई थी। कोरोना महामारी के दौरान पत्नी अपने बीमार माता-पिता और बहन की देखभाल के लिए मायके चली गई थी। बाद में पति ने उसे वैवाहिक घर वापस लौटने के लिए कहा, लेकिन वह वापस नहीं आई। पति के अनुसार, वह पत्नी को लेने उसके मायके भी गया था। इसके बाद पत्नी ने पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला ने पति पर प्रताड़ना और क्रूरता के आरोप लगाते हुए अपनी दो बेटियों के साथ भरण-पोषण की मांग की थी। हालांकि, अदालत में इन आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत पेश नहीं किए जा सके। मैसूरु फैमिली कोर्ट ने पत्नी और बड़ी बेटी का भरण-पोषण दावा खारिज कर दिया था, जबकि छोटी बेटी के लिए हर महीने 8 हजार रुपये देने का आदेश दिया था। न्यायमूर्ति डॉ. चिलकुर सुमलता ने हाईकोर्ट में कहा कि भरण-पोषण के लिए यह दिखाना जरूरी है कि पति ने पत्नी की देखभाल से इनकार किया या उसकी उपेक्षा की। साथ ही पत्नी के पास अलग रहने का उचित कारण भी होना चाहिए। अदालत ने निचली अदालत के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पहली बार पीएम मोदी के कार्यक्रम में डिजिटल रजिस्ट्रेशन, 60 मिनट में फुल हुईं सीटें; 42 हजार से ज्यादा वेटिंग

नई दिल्ली ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वडोदरा दौरे को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। वडोदरा में होने वाले प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए पहली बार डिजिटल माध्यम से लोगों का पंजीकरण कराया गया। इसके लिए बुकमायशो मंच का इस्तेमाल किया गया। पंजीकरण शुरू होने के महज 60 मिनट के भीतर कार्यक्रम की सभी उपलब्ध सीटें बुक हो गईं, जबकि 42 हजार से ज्यादा लोग प्रतीक्षा सूची में पहुंच गए।

यह कार्यक्रम 8 सितंबर को वडोदरा में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। इन परियोजनाओं की कुल लागत 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। इनमें रेलवे और सड़क से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम की खास बात केवल डिजिटल पंजीकरण ही नहीं है। आयोजन स्थल पर प्रवेश के लिए क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था की गई है। लोगों को डिजिटल टिकट यानी एम-टिकट के जरिए प्रवेश दिया जाएगा और बैठने की व्यवस्था भी पहले से निर्धारित रहेगी। इससे बड़ी संख्या में आने वाले लोगों के प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम को तकनीक और जनभागीदारी के नए प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है।

टीचर की पीट-पीटकर हत्या, 6 पकड़ाए

नई दिल्ली। दिल्ली के किलोकरी गांव में शोर-शराबे का विरोध करने पर मणिपुर के रहने वाले 54 वर्षीय रिटायर्ड संगीतकार और म्यूजिक टीचर चोंगथम विक्रम सिंह की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि विक्रम सिंह ने अपने घर के सामने डिलीवरी बॉय और ढाबा कर्मचारियों के शोर-शराबे और हंगामे का विरोध किया था। इसी बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल विक्रम सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

8 सितंबर को 16 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-यूपी-बिहार से लेकर मध्य प्रदेश और बंगाल तक असर

नई दिल्ली ● एजेंसी

देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां जारी हैं। हालांकि मानसून अब धीरे-धीरे अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, लेकिन पूर्वी और मध्य भारत के कई इलाकों में अभी भी भारी बारिश का दौर बना हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 8 सितंबर के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश की संभावना जताई है।

उत्तर प्रदेश में पूर्वी हिस्सों में 8 सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला जारी रहने का अनुमान है। बिहार में 7 से 9 सितंबर तक व्यापक बारिश और 8 से 10 सितंबर के बीच कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। साथ ही गरज-चमक और बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी दी गई है।

पश्चिम बंगाल में 7 से 10 सितंबर के बीच बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। गंगा के मैदानी क्षेत्रों में 7 से 9 सितंबर के बीच भारी बारिश हो सकती है, जबकि उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी 8 सितंबर को भारी बारिश का अनुमान है।

वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग के अलर्ट को देखते हुए जलभराव वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की गई है। दिल्ली में 8 सितंबर को मौसम में सुधार की संभावना जताई गई है, हालांकि बादल छाए रहने और कुछ इलाकों में बारिश की गतिविधि से पूरी तरह इनकार नहीं किया गया है।

डाल्या स्वर्णकार समाज की प्रदेश कार्यकारिणी गठित, त्रिलोकचंद्र सोनी बने प्रदेश अध्यक्ष

खरगोन में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में सर्वसम्मति से हुआ पदाधिकारियों का चयन

खरगोन ● संवाददाता

अखिल भारतीय डाल्या स्वर्णकार समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक तिलक पथ स्थित डाल्या स्वर्णकार समाज धर्मशाला, खरगोन में आयोजित हुई। बैठक में समाज की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इसमें निवाली के त्रिलोकचंद्र सोनी को प्रदेश अध्यक्ष चुना गया।

बैठक में संगठन के संरक्षक के रूप में अरुण सोनी खंडवा, कैलाश सोनी भीकनगांव, बाबूलाल सोनी पलसूद, महेश सोनी सेंधवा, संतोष सोनी पाटी, राधेश्याम सोनी सनावद, रमेश सोनी खरगोन, चेतन सोनी कुक्षी एवं भागीरथ सोनी सेगांव को मनोनीत किया गया।

प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर सुबोध सोनी सेंधवा, संतोष सोनी इंदौर, श्रीमती संगीता सोनी इंदौर, अशोक सोनी बेड़िया, कृष्णकांत सोनी वंझर, डॉ. देवेश सोनी खंडवा, नटवर सोनी सिलावद को मनोनीत किया गया।

महामंत्री पद पर किरण कुमार सोनी सेंधवा एवं शैलेन्द्र सोनी धनोरा, कोषाध्यक्ष विनय सोनी ओझर तथा उप कोषाध्यक्ष राधेश्याम सोनी खैगांव को जिम्मेदारी दी गई।

प्रदेश सचिव के रूप में भागीरथ सोनी (दादू भाई) भीकनगांव, सत्यनारायण सोनी सेंधवा, राजेन्द्र सोनी बड़वानी, शैलेन्द्र सोनी डही, राजेन्द्र सोनी पीथमपुर एवं राधेश्याम सोनी इंदौर को मनोनीत किया गया।

वहीं संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दिलीप सोनी सेंधवा को तथा मीडिया प्रभारी का दायित्व दिलीप सोनी खरगोन एवं हर्षद सोनी ओझर को सौंपा गया।

महिला प्रकोष्ठ का भी गठन

प्रदेश महिला प्रकोष्ठ में श्रीमती राजनन्दा राजेन्द्र सोनी खरगोन एवं श्रीमती ज्योति राधेश्याम सोनी खैगांव को संरक्षक, श्रीमती दुर्गा सोनी को प्रदेश अध्यक्ष तथा श्रीमती संगीता सोनी इंदौर को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में तय किया गया कि कार्यकारिणी सदस्यों एवं अन्य पदों पर मनोनयन प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं चयनित कार्यकारिणी द्वारा आगामी समय में किया जाएगा। मीडिया प्रभारी दिलीप सोनी ने बताया कि समाज की प्रदेश कार्यकारिणी का गठन समाज को संगठित और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नई कार्यकारिणी के माध्यम से समाज के सभी क्षेत्रों को साथ लेकर सामाजिक एकता, शिक्षा, संगठन एवं समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से संगठन को प्रदेश स्तर पर और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

हिन्दव: सोदरा: सर्वे... दीप जोशी

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया 62वां स्थापना दिवस

खरगोन ● संवाददाता

हमें पुनः अपनी मूल संस्कृति व सच्चे अध्यात्म की ओर लौटना होगा, तभी सत्य सनातन वैदिक हिन्दू धर्म व संस्कृति की रक्षा होगी तथा सच्चे ईश्वर की उपासना से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि व मुक्ति की प्राप्ति होगी और सच्चे ईश्वर की उपासना के लिए आवश्यक है कि हम जाति- वर्ण के मिथ्या बंधन तोड़कर धर्मध्वजा के तले एक हो जायें |

उक्त उदगार विश्व हिंदू परिषद खरगोन के जिला विशेष संपर्क प्रमुख दीप जोशी ने विहिप के 62 वे स्थापना दिवस के शुभावसर पर भगवानपूरा के श्री हनुमान मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। विहिप स्थापना दिवस के कार्यक्रम सम्पूर्ण जिले में आयोजित किए जा रहे है इसी तारतम्य में भगवानपुरा में भी आयोजन हुआ। यहां मुख्य वक्ता जोशी ने अपने संबोधन में विश्व हिंदू परिषद के उद्देश्यों एवं स्थापना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'हिंदवः सोदरा सर्वे' की भावना के साथ विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 29 अगस्त 1964 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन की गई थी। परिषद का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, वनवासियो के साथ ही सभी सनातनी बंधु-भगिनियों की सेवा करना, वेद एवं संस्कृत के पुनरोदय के साथ मंदिर, तीर्थ और धर्माचार्यों की गरिमा की पुनर्स्थापना करना है।

उन्होंने कहा कि परिषद का मंत्र 'मम दीक्षा हिंदू रक्षा, मम मंत्र समानता' है। इसी भावना के साथ समरस और अजेय हिंदू समाज का निर्माण करना परिषद का प्रमुख ध्येय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन के सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने संगठन के उद्देश्यों और सामाजिक कार्यों पर चर्चा की। आयोजन के माध्यम से एकता, संस्कृति और सेवा के भाव को जागृत करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में जिला गोरक्षा प्रमुख सचिन गुप्ता, भगवानपुरा प्रखंड अध्यक्ष शिवदास पाटिल, प्रखंड गौ रक्षा प्रमुख वीरेंद्र दवाने, खंड मंत्री नरेंद्र महाजन सहित कार्यकर्ता और अन्य सनातन धर्मावलंबी उपस्थित थे।

MP बैंड कॉन्स्टेबल भर्ती पर हाई कोर्ट में सुनवाई

शासन का जवाब संतोषप्रद नहीं, याचिकाकर्ताओं ने बताई कमियां; रिजल्ट पर रोक बरकरार

इंदौर ● संवाददाता

मध्य प्रदेश में कॉन्स्टेबल (बैंड) पद की भर्ती प्रक्रिया को लेकर हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में सोमवार को सुनवाई हुई। मामले में शासन की ओर से अपना जवाब कोर्ट के समक्ष पेश कर दिया गया। हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से शासन के जवाब को संतोषप्रद नहीं बताया गया और उसमें कई कमियां होने की बात रखी गई। मामले में अब अगले सप्ताह अंतिम सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता निलेश सिंह की ओर से एडवोकेट गगन बजाड ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देने वाली बाद में दायर की गई अन्य याचिकाओं को भी कोर्ट ने मूल प्रकरण के साथ जोड़ दिया है। अब सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी। एडवोकेट बजाड के मुताबिक, पिछली सुनवाई में कोर्ट ने शासन से भर्ती प्रक्रिया से संबंधित जानकारी और अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा था। सोमवार को शासन की ओर से जवाब पेश किया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से इस जवाब को संतोषप्रद नहीं बताते हुए उसमें सामने आई कमियों और आपत्तियों को कोर्ट के समक्ष रखा गया। इन बिंदुओं पर अब अंतिम सुनवाई के दौरान विस्तार से दलीलें रखी जाएंगी।

भर्ती प्रक्रिया को लेकर मूल विवाद क्या है?

मामले की मूल याचिका कॉन्स्टेबल (बैंड) भर्ती प्रक्रिया को लेकर दायर की गई है। याचिका में भर्ती के लिए अपनाई गई प्रक्रिया और अभ्यर्थियों के चयन को लेकर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों के पालन को लेकर आपत्ति जताई गई है। उनका कहना है कि भर्ती विज्ञापन में जिस प्रक्रिया का उल्लेख किया गया था, उसके अनुरूप कार्रवाई नहीं की गई। इसी आधार पर भर्ती प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया गया है।

मंडी में बंपर आवक से व्यापारियों के चेहरे खिले

मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी मंडी में कपास सीजन का शुभारंभ, पहले दिन 8411 रुपए बिका कपास

खरगोन ● संवाददाता

मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी आनंद नगर स्थित कृषि उपज मंडी में सोमवार को नए कपास सीजन का विधिवत शुभारंभ हो गया। शुभ मुहूर्त में प्रदेश के पूर्व कृषि राज्यमंत्री एवं खरगोन विधायक बालकृष्ण पाटीदार ने पूजा-अर्चना कर कपास की नीलामी शुरू कराई। इस अवसर पर मंडी सचिव शर्मिला निनामा, व्यापारी संघ के मुन्ना जायसवाल, बृजमोहन अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, कल्याण अग्रवाल, सचिन महाजन, मनजीत सिंह चावला, सहित व्यापारी और सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

नए सीजन के पहले ही दिन मंडी में बंपर आवक देखने को मिली। सुबह से ही किसानों के 500 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉली और करीब 100 बैलगाड़ियों से मंडी परिसर खचाखच भर गया। खेतों से सीधे कपास लेकर पहुंचे किसानों में नए भाव को लेकर खासा उत्साह नजर आया। लंबे इंतजार के बाद मंडी में फिर से रौनक लौटने से व्यापारियों के चेहरे भी खिले हुए थे। पहले वाहन के रूप में किसान अश्विन दांगी अपनी उपज लेकर मंडी पहुंचे। मुहूर्त की पहली बोली के रूप में उनकी कपास 8 हजार 411 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर के के फाईनकॉट में बिकी। वहीं नमी वाली कपास का भाव 7 हजार से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहा।

बेहतर भाव मिलने से किसानों में संतोष देखा गया। मंडी सचिव शर्मिला निनामा ने बताया कि किसानों की सुविधा के लिए मंडी में सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। नीलामी के लिए अतिरिक्त छाया दार सेट और न्यूनतम शुल्क पर भोजन पानी की व्यवस्था की गई है। व्यापारियों के अनुसार इस साल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कपास का उत्पादन कम होने की संभावना है, जिसका सीधा असर स्थानीय बाजार पर पड़ेगा। ऐसे में आने वाले दिनों में भाव में और तेजी आने की उम्मीद है। कपास के अच्छे दाम मिलने की उम्मीद से खरगोन सहित पूरे निमाड़ अंचल के किसानों में खुशी का माहौल है।

कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

खरगोन ● संवाददाता

कलेक्टर गुरु प्रसाद की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जन आकांक्षा पोर्टल अंतर्गत लंबित समय सीमा प्रकरणों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर गुरु प्रसाद ने अधिकारियों को लंबित मामलों के निराकरण में प्राथमिकता के साथ कार्य करने तथा प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं वित्तीय वर्ष 2026-27 के आय-व्यय की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर प्रसाद ने पंचायतों

जन आकांक्षा पोर्टल, फार्मर रजिस्ट्री और पंचायतों के वित्तीय व्यय की हुई विस्तृत समीक्षा, जनविश्वास अभियान के शिविरों में प्राप्त शिकायतों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर ने दिया जोर

में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के समुचित उपयोग और विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री, सांसद एवं विधायक से संबंधित लंबित पत्रों और प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा कर शेष किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने के लिए कहा गया।

कलेक्टर गुरु प्रसाद ने कसरावद में आयोजित जनविश्वास अभियान के उपरांत शिकायतों में आई कमी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनविश्वास अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण कर प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को और मजबूत करना है। इस दिशा में प्राप्त शिकायतों का प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जनविश्वास अभियान अंतर्गत शुक्रवार को ऊन में आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर प्रसाद ने संबंधित अधिकारियों को शिविर में आने वाले नागरिकों की समस्याओं का गंभीरता से निराकरण करने तथा विभागीय अधिकारियों की आवश्यक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर रेखा राठौर, जिला पंचायत सीईओ मिलिंद कुमार नागदेवे, संयुक्त कलेक्टर आकांक्षा अग्रवाल, वीरेंद्र कटारे, सभी एसडीएम सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। वही अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

देवास-इंदौर बस में नशे में मिले ड्रायवर-क्लीनर, एफआईआर

इंदौर। देवास से इंदौर आ रही एक बस के ड्रायवर और क्लीनर के शराब के नशे में होने और यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार करने की सूचना पर यातायात पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। सूचना मिलते ही वायरलेस के जरिए कंट्रोल रुम को जानकारी दी गई। इसके बाद खजराना पुलिस ने रोबोट चौराहे पर बस को रुकवाकर ड्रायवर और क्लीनर को नीचे उतारा। पुलिस ने बस जब्त कर दोनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। यातायात पुलिस के प्रधान आरक्षक रितेश मंडलोई को सूचना मिली थी कि देवास से इंदौर आ रही बस का ड्रायवर और क्लीनर शराब के नशे में हैं और यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। सूचना के आधार पर खजराना पुलिस ने रोबोट चौराहे पर बस को रुकवाया और कार्रवाई की। ट्रैफिक टीआई अरविंद दांगी ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक कार चलाकर आमजन के जीवन को संकट में डालने वाले अजय जायसवाल के खिलाफ थाना संयोगितागंज में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 185 और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 177, 184 के तहत अपराध क्रमांक 0401/26 दर्ज किया है। अजय जायसवाल गीता भवन चौराहे पर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में कार चलाकर आ रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कार भी जब्त कर ली।

नगर निगम की चार भव्य झांकियों का निर्माण शुरू, इंदौर में 31वें वर्ष में ऐतिहासिक परंपरा को मिलेगा नया स्वरुप

इंदौर। ऐतिहासिक झांकी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम ने श्री गणेश उत्सव समिति के 31वें वर्ष के आयोजन की तैयारियां शुरु कर दी हैं। इस वर्ष नगर निगम द्वारा चार भव्य झांकियों का निर्माण कराया जा रहा है। झांकी निर्माण कार्य का सोमवार को विधिवत शुभारंभ सामान्य प्रशासन एवं श्री गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष और एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया ने पूजन-अर्चन के साथ किया। नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि नगर निगम द्वारा झांकी निर्माण की परंपरा का यह 31वां वर्ष है। निगम का प्रयास है कि इंदौर की वर्षों पुरानी और विशिष्ट झांकी परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ इसे और भव्य स्वरुप दिया जाए। उन्होंने कहा कि अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाली मिलों की झांकियां इंदौर की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इस परंपरा को मजबूती देने के लिए नगर निगम की ओर से मिल झांकियों और अखाड़ों को अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। नगर निगम द्वारा तैयार कराई जा रही चारों झांकियों का निर्माण शहर के विभिन्न कलाकारों और कुशल कारीगरों द्वारा किया जाएगा। झांकियों की विषयवस्तु, कलात्मक सज्जा और निर्माण में स्थानीय प्रतिभाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। गणेश उत्सव के दौरान इन झांकियों को लोगों के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद अनंत चतुर्दशी पर आयोजित झांकी समारोह में बड़ी संख्या में शहरवासी, आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और अन्य स्थानों से आने वाले लोग इंदौर की इस गौरवशाली परंपरा के साक्षी बनेंगे। नगर निगम का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ इंदौर की कला, संस्कृति, परंपरा और सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा देना है।

जिला जेल खरगोन में हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

बंदियों ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन पर्वत धारण करने की थीम पर सजाई आकर्षक झांकी

महिला एवं पुरुष बंदियों ने दी समूह एवं एकल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां

खरगोन ● संवाददाता

जिला जेल खरगोन में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही उत्साह, उमंग एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जेल परिसर में बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन पर्वत उठाने की थीम पर आकर्षक एवं मनमोहक झांकी तैयार की गई।

झांकी का अनावरण कलेक्टर गुरु प्रसाद, पुलिस अधीक्षक रवींद्र वर्मा, एडीजे आर.के. यादव, मुख्य न्यायाधीश एवं एसडीएम द्वारा किया गया। इस दौरान जेल परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में सुसज्जित बग्गी पर भगवान श्रीकृष्ण के आगमन के पश्चात पालना झुलाने एवं आरती का आयोजन किया गया। इसके बाद जेल अधीक्षक हिमानी मनवारे द्वारा भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थितजनों को भक्तिभाव से अभिभूत कर दिया।

जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान महिला एवं पुरुष बंदियों द्वारा समूह एवं एकल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी गईं। बंदियों ने उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं शिक्षाओं को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के माध्यम से बंदियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता एवं सदाचार से जोड़ने का संदेश दिया गया। जेल परिसर में आयोजित इस आयोजन ने बंदियों में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

चंबल-बालाघाट से मुंबई होकर बड़े शहरों तक सप्लाई; STSF की जांच में MP समेत 4 राज्यों का नेटवर्क

500 में खरीदा...10 हजार में बेचा जा रहा कछुआ

इंदौर ● संवाददाता

चंबल और बालाघाट की वेनगंगा नदी से निकलने वाले कछुए अब तस्करों के लिए कमाई का जरिया बन गए हैं। स्थानीय स्तर पर 500 से 900 रुपए में खरीदे जाने वाले कछुओं को इंदौर समेत मध्य प्रदेश के बड़े शहरों के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश तक भेजा जाता है। प्रजाति और ग्राहक की मांग के आधार पर इनकी कीमत 3 हजार से 10 हजार रुपए तक वसूली जाती है।

वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) की जांच में तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आए हैं। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ में पता चला कि गिरोह पहले कछुओं को स्थानीय लोगों से खरीदता था। इसके बाद उन्हें कुछ दिनों तक सुरक्षित रखकर खरीदार तलाशे जाते थे और ग्राहक की पसंद के अनुसार सौदा तय किया जाता था।

चंबल में अलग नेटवर्क की जानकारी, एसटीएसएफ तलाश में जुटी

शिवाजी मार्केट स्थित फ्रिश टाउन के कर्मचारी बिलाल की रिमांड पूरी होने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर एसटीएसएफ को चंबल क्षेत्र में सक्रिय एक ऐसे व्यक्ति के बारे में पता चला है, जिसने तस्करी के लिए अलग नेटवर्क तैयार कर रखा था। टीम अब इस नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। जांच में कछुए पकड़ने वालों के अलावा उन्हें खरीदने, रखने, परिवहन कराने और अंतिम खरीदार तक पहुंचाने वालों की भूमिका भी देखी जा रही है।

30 कछुओं की डील से खुलीं नेटवर्क की कड़ियां

इंदौर में कछुआ तस्करी के मामले में एसटीएसएफ ने 20 अगस्त को केशव शर्मा और रोहन गौड़ को गिरफ्तार किया था। दोनों के पास से 30 कछुए मिले थे। पूछताछ में पता चला कि इन्हें करीब 40 हजार रुपए में बेचने की तैयारी थी। दोनों को पांच दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। इसी दौरान देवास के होटल व्यवसायी रौनक जुनेजा का नाम सामने आया। एसटीएसएफ के अनुसार रौनक फरार है और उसकी अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है। जांच के दौरान टीम रौनक के बहनोई कमल मेहता के घर पहुंची थी। यहां से कछुआ और तोता बरामद हुआ।

अब खरीदारों तक पहुंच रही एसटीएसएफ

एसटीएसएफ अब उन लोगों की जानकारी जुटा रही है, जो कछुए पकड़ने वालों से संपर्क करते थे और उन्हें दूसरे राज्यों तक पहुंचाते थे। साथ ही उन खरीदारों की भी पहचान की जा रही है, जो अंधविश्वास या अन्य कारणों से कछुओं के लिए हजारों रुपए खर्च करते हैं।

ऐसे राज्यों तक पहुंचाए जाते थे कछुए

गिरोह से जुड़े लोग चंबल और बालाघाट क्षेत्र के चुनिंदा स्थानीय लोगों के संपर्क में रहते थे। कछुए पकड़ने वाले इन्हें 500 से 900 रुपए में बेचते थे। इसके बाद नेटवर्क के दूसरे सदस्य खरीदार तलाशते और ग्राहक की मांग के अनुसार सौदा करते थे। जांच में सामने आया है कि अंधविश्वास के कारण कुछ लोग खास प्रजातियों के कछुओं के लिए ज्यादा रकम देने को तैयार रहते थे। इसी का फायदा उठाकर तस्कर इन्हें कई गुना कीमत पर बेचते थे। एसटीएसएफ को मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी मिली है। सड़क मार्ग से कछुओं को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता था। मुंबई से भी अलग-अलग राज्यों में सप्लाई किए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके लिए कछुओं को बाक्स में रखकर कोरियर और बस सेवा से पार्सल के रूप में भेजा जाता था। कमल को सरकारी गवाह बनाए जाने की बात सामने आने के बाद उसके भी फरार होने की जानकारी है। जांच में कछुए पकड़ने वालों के अलावा उन्हें खरीदने, रखने, परिवहन कराने और अंतिम खरीदार तक पहुंचाने वालों की भूमिका भी देखी जा रही है।

संक्षेप

गलत बाइक ले जाने पर अकाउंटेंट को पीटा

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में शराब दुकान के बाहर गलत बाइक लेकर निकलना एक अकाउंटेंट को भारी पड़ गया। तीन युवकों ने उस पर बाइक चोरी का आरोप लगाकर मारपीट की और उसे चंदन नगर इलाके में ले गए। यहां आरोपियों ने उसकी सोने की बालियां उतरवा लीं, मोबाइल और सिम छीन लिया। इसके बाद उसकी मां को फोन कराकर खाते में 2500 रुपए मंगवाए। आरोपी उसकी बाइक भी लेकर चले गए। पीड़ित ने राजेंद्र नगर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। तीन दिन बाद भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। राजेंद्र नगर पुलिस के पास सबग नगर निवासी लकरित शर्मा पहुंचा था। उसने शिकायत में बताया कि तीन दिन पहले वह अपने बैंक कर्मचारी दोस्त के साथ अहरिखेड़ी स्थित वाइन शॉप पर शराब पीने गया था।

दीपेंद्र बागरे बने भाजपा अजा मोर्चा नगर मंत्री

इंदौर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इंदौर संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत एवं अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार के

निर्देशानुसार एवं भाजपा इंदौर नगर प्रभारी राजेश सोलंकी की सहमति से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा इंदौर नगर के नगर पदाधिकारियों की घोषणा की जिसमें दीपेंद्र बागरे जी को नगर मंत्री बनाया गया।

पुराने भेरू घाट पर सड़क धंसने से बढ़ा खतरा

महू। महू के मानपुर स्थित पुराने भेरू घाट मार्ग पर सड़क धंसने से खतरा बढ़ गया है। यह मार्ग कई साल पहले ही बंद कर दिया गया था। यहां से बड़े वाहनों का आवागमन भी नहीं होता, लेकिन आसपास के कुछ ग्रामीण अब भी बाइक से इसका इस्तेमाल करते हैं। हाल ही में सड़क के बीचों-बीच एक बड़ा गड्ढा हो गया है। सड़क का एक हिस्सा धंस गया है, जिससे गड्ढे के नीचे सीधे गहरी खाई दिख रही है। ऐसे में बाइक सवारों के लिए यहां से गुजरना बहुत खतरनाक हो गया है। दिन के समय तो सड़क की खराब हालत दिख जाती है, जिससे वाहन चालक सावधानी बरत सकते हैं। लेकिन, रात के अंधेरे में यह गड्ढा दिखाई नहीं देता। ऐसे में कोई भी बाइक सवार सीधे खाई में गिर सकता है। यहां किसी भी दिन बड़ा हादसा होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग बंद होने के बावजूद लोग इसका उपयोग कर रहे हैं।

तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दो दोस्तों को रौंदा

दोनों की मौत, इंदौर में एक्टिवा से घूमने निकले थे

इंदौर ● संवाददाता

मरीमाता चौराहे के पास रविवार रात तेज रफ्तार कार ने एक्टिवा सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। कार ने तीन ऑटो रिक्शा और एक समोसे के ठेले को भी टक्कर मारी। इसके बाद लोगों ने कार चालक को पकड़कर पीटा।

हादसा रात करीब 12:40 बजे हुआ। बाणगंगा पुलिस ने मर्ग कायम कर कार जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान सत्य साईं नगर निवासी राज (28) पुत्र रवि सोनेरे और नंदकिशोर सोलंकी (30) के रूप में हुई है। दोनों रात में घूमने निकले थे। मरीमाता चौराहे के पास सड़क पार करते समय कार ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों कई फीट दूर जा गिरे।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कार को मौके पर ही रोक लिया। बताया जा रहा है कि कार चालक ने एक्टिवा को टक्कर मारने से पहले तीन रिक्शा और एक समोसे के ठेले को भी टक्कर मारी थी। बाद में लोगों ने कार पुलिस के हवाले कर दी। पुलिस ने वाहन

जब्त कर लिया है और हादसे के कारणों के साथ कार की रफ्तार की जांच कर रही है।

राज ओवन का कारीगर, नंदकिशोर सब्जी बेचता था

परिजनों के मुताबिक राज ओवन में कारीगर था। परिवार में उसकी पत्नी, दो भाई और माता-पिता हैं। वहीं नंदकिशोर सब्जी बेचने का काम करता था। परिवार में उसके पिता और एक बड़ा व एक छोटा भाई है।

इंदौर में सांप डर दिखाकर 31000 की ठगी

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में एक ठग ने महिला को उसके छोटे बेटे को सांप काटने का डर दिखाकर 31 हजार रुपए ठग लिए। उसने कहा- 'तेरा बेटा इबारत में बैठा है, उसे सांप काट लेगा। उसकी जान बचानी है तो दरगाह पर पूजा करवानी होगी।' बेटे की जान का डर दिखाकर आरोपी ने महिला से रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पीड़िता की बहू फिरदौस शाह निवासी जकरिया कॉलोनी की शिकायत पर खजराना पुलिस ने अज्ञात नंबर से कॉल करने वाले के खिलाफ केस दर्ज किया है। फिरदौस ने बताया कि उनकी सास साजिदा रऊफ के मोबाइल पर 17 अगस्त को अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को दरगाह का बाबा बताया और परिवार में कितने बेटे हैं पूछा। साजिदा ने तीन बेटे होने की बात कही।

घर बना था अवैध गैस सिलेंडरों का स्टॉक सेंटर

इंदौर। गांधीनगर क्षेत्र में खाद्य आपूर्ति विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से 80 से अधिक घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घर से अवैध तरीके से घरेलू गैस सिलेंडरों की बिक्री की जा रही थी। बड़ी संख्या में सिलेंडर एक ही स्थान पर रखे होने से इलाके में गंभीर हादसे का खतरा बना हुआ था। कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर खाद्य आपूर्ति विभाग की टीम ने की। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। यहां 80 से ज्यादा घरेलू गैस सिलेंडर मिले। अधिकारियों के मुताबिक, घर में इतनी बड़ी संख्या में गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण और बिक्री किया जाना सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर है।

खाली मैदान पर खड़ी कर दी अवैध कॉलोनी

5 हजार स्क्वेयर फीट में बन रहे 4 भवन ध्वस्त

इंदौर ● संवाददाता

शहर में अवैध कॉलोनी विकास और नियमों के विपरीत हो रहे निर्माणों के खिलाफ नगर निगम ने सोमवार को कार्रवाई की। जोन क्रमांक 21 के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्रमांक 79 स्थित अहीरखेड़ी में निर्माणाधीन अवैध कॉलोनी पर निगम की रिमूवल टीम ने बुलडोजर चलाया। यहां करीब 5 हजार स्क्वेयर फीट में बनाए जा रहे चार अलग-अलग भवनों को जेसीबी (JCB) और पोकलेन मशीनों की मदद से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

खाली मैदान में बिना अनुमति बसा रहे थे कॉलोनी

कॉलोनी सेल की सहायक यंत्री टीना सिसोदिया और भवन अधिकारी प्रभात तिवारी के अनुसार, अहीरखेड़ी क्षेत्र के एक खाली मैदान में अवैध तरीके से कॉलोनी विकसित करने की नीयत से निर्माण कार्य कराया जा रहा था। मौके पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के चार अलग-अलग भवनों का निर्माण चल रहा था।

निगम आयुक्त के निर्देश पर हुई कार्रवाई

नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर कॉलोनी सेल और भवन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर रिमूवल कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने कहा कि शहर में बिना अनुमति अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों और नियमों के विपरीत निर्माण करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

IDFC बैंक का खाता साइबर ठगी में इस्तेमाल

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में साइबर ठगी के मामलों में दूसरे लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। तुकोगंज पुलिस ने ऐसे ही एक मामले में IDFC बैंक की रेसकोर्स रोड स्थित शाखा के एक खाते का साइबर अपराध में म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल होने पर केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, यह खाता उमेश लालवानी निवासी अशोक नगर के नाम पर है। आरोप है कि उमेश ने अपने साथी ऋषि ठाकुर के साथ मिलकर खाते का इस्तेमाल साइबर अपराध से जुड़े लेन-देन के लिए किया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि खाते का उपयोग बेंगलुरु, मुंबई और आंध्र प्रदेश में ठगी के मामलों में हुआ। साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

साइबर अपराध में इस्तेमाल हुआ बैंक खाता

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, IDFC बैंक की रेसकोर्स रोड, इंदौर स्थित शाखा में उमेश लालवानी के नाम से खाता संचालित है। जांच में सामने आया कि इस बैंक खाते का इस्तेमाल साइबर अपराध से संबंधित लेन-देन के लिए म्यूल अकाउंट के रूप में किया गया। पुलिस के मुताबिक, उमेश लालवानी ने अपने साथी ऋषि ठाकुर के साथ मिलकर खाते का इस्तेमाल किया। पुलिस अब खाते में हुए लेन-देन और उससे जुड़े साइबर अपराध की कड़ियों की जांच कर रही है।

बेंगलुरु, मुंबई और आंध्र प्रदेश में हुआ इस्तेमाल

पुलिस को शुरुआती जानकारी में पता चला है कि इन खातों का इस्तेमाल बेंगलुरु, मुंबई और आंध्र प्रदेश में ठगी के शिकार लोगों से जुड़ी रकम के लेन-देन के लिए किया गया। जानकारी के मुताबिक, लोगों से ठगी के बाद लाखों रुपए इन खातों में जमा कराए गए। साइबर पोर्टल पर इन खातों को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी।

इंदौर में उपचुनाव से पहले बड़ा उलटफेर

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में नगर निगम के वार्ड 58 और 60 के उपचुनाव फिलहाल स्थगित कर दिए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायत और प्रशासन-पुलिस की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया है। आयोग के मुताबिक, मौजूदा मतदाता सूची के आधार पर चुनाव कराने पर कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी।

अब दोनों वार्डों की मतदाता सूची की जांच और मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उपचुनाव की नई तारीख तय की जाएगी। मतदाता सूची को लेकर शिकायत मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने इंदौर जोन-1 के डीसीपी से रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट में तय चुनाव कार्यक्रम के अनुसार मतदान कराने पर कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई गई। इसके बाद आयोग ने दोनों वार्डों की मतदाता सूची की जांच कराने का फैसला लिया और फिलहाल चुनाव स्थगित कर दिए।

सेवानिवृत्त IAS अधिकारी करेंगे निगरानी

वार्ड 58 और 60 की मतदाता सूची का दोबारा सत्यापन कराया जाएगा। टीम मौके पर जाकर मतदाताओं के नाम और सूची में दर्ज जानकारी की जांच करेगी। पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक सेवानिवृत्त IAS अधिकारी को प्रेक्षक नियुक्त किया जाएगा। मतदाता सूची की जांच और जरूरी सुधार के बाद दोनों वार्डों के उपचुनाव की नई तारीख तय होगी।

इंदौर में गाड़ी के अंदर ही मुड़ गई गर्दन; डेढ़ घंटे तक दबी रहीं, 2 घायल

कार पर पेड़ गिरा, डिप्टी-कलेक्टर की मां की मौत

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में सोमवार शाम करीब 5 बजे बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सेंट्रल जेल के सामने सड़क से गुजर रही कारों पर भारी-भरकम पेड़ गिर गया। कार में सवार डिप्टी कलेक्टर पूर्णिमा सिंगी की मां की मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए गोकुलदास अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मृतक की पहचान राधा देवी सिंगी (75) के रूप में हुई है। हादसे के वक्त वह मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराकर लौट रहीं थीं। हादसे में उनका पोता प्रखर सिंगी (25) और पारिवारिक मित्र वैशाली जायसवाल (55) घायल हुए हैं।

अधिकारियों की बैठक ले रही थी डिप्टी कलेक्टर

पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय डिप्टी कलेक्टर पूर्णिमा सिंगी नर्मदा घाटी विभाग की बैठक में थीं। जानकारी मिलते ही कमिश्नर भास्कर लक्ष्यकार ने बैठक निरस्त कर सभी को मौके पर भेजा और राहत-बचाव का काम शुरू कराया। महिला करीब डेढ़ घंटे तक दबी रही। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पेड़ गिरने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राधा देवी की गर्दन गाड़ी के अंदर ही मुड़ गई और सिर में भी गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद आसपास के लोग मदद के लिए पहुंचे और राहत-बचाव शुरू किया।

सीजन में अब तक 22 इंच बारिश

इंदौर में इस मानसून सीजन में अब तक कुल 22 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। हालांकि, पिछले वर्षों की तुलना में इस बार सीजन में अब तक वर्षा कम हुई है। फिलहाल कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। स्थानीय सिस्टम बनने पर कुछ समय के लिए बारिश हो सकती है। इसके साथ ही दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

ऑपरेशन कराकर घर लौट रही थीं राधा देवी

हादसे में जान गंवाने वाली राधा देवी हाल ही में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान हादसा हो गया। परिजन का आरोप है कि हादसे के बाद करीब डेढ़ घंटे तक पेड़ हटाने के लिए कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची। इस दौरान कार पेड़ के नीचे दबी रही।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया

एसीपी विनोद दीक्षित के मुताबिक, पुलिस ने राधा देवी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की।

संपादकीय

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है।

भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरुआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी।

वडोदरा से विकास की नई रेल, गुजरात की धरती पर मोदी सरकार का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर संदेश

लेखक- विनोद सिंह 'तकियावाला'

इस व्यापक पैकेज में नई रेल लाइन, रेल लाइनों का दोहरीकरण,गेज परिवर्तन और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय एक समग्र परिवहन ढाँचे के रूप में देखा जाए तो इनके पीछे देश की आर्थिक गतिविधियों को अधिक गति देने की व्यापक रणनीति दिखाई देती है।इस पूरे पैकेज में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 20,703 करोड़ रुपये के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा है।मालगाड़ियों के लिए विकसित यह व्यवस्था देश के औद्योगिक और व्यापारिक ढाँचे में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात का वडोदरा एक बार फिर देश के विकास मानचित्र पर बड़ी तस्वीर के साथ उभरने जा रहा है। 8 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वडोदरा में एक ऐसे कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहाँ हजारों करोड़ रुपये की रेल एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं का लोकार्पण, समर्पण और शिलान्यास किया जाएगा। यह केवल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलते भारत में आधारभूत संरचना को आर्थिक विकास की रीढ़ बनाने की उस सोच का भी प्रतीक है, जिसमें रेल, माल ढुलाई, औद्योगिक संपर्क और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को एक-दूसरे से जोड़कर आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।इस संदर्भ में उपलब्ध जानकारी के अनुसार वडोदरा में प्रधानमंत्री लगभग 30,766 करोड़ रुपये की रेलवे और संबद्ध परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित अथवा उनका शिलान्यास करेंगे। इस व्यापक पैकेज में नई रेल लाइन, रेल लाइनों का दोहरीकरण,गेज परिवर्तन और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं को अलग-अलग देखने के बजाय एक समग्र परिवहन ढाँचे के रूप में देखा जाए तो इनके पीछे देश की आर्थिक गतिविधियों को अधिक गति देने की व्यापक रणनीति दिखाई देती है।इस पूरे पैकेज में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 20,703 करोड़ रुपये के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा है। मालगाड़ियों के लिए विकसित यह व्यवस्था देश के औद्योगिक और व्यापारिक ढाँचे में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती है। भारतीय रेलवे लंबे समय से यात्री और माल यातायात दोनों का भार उठाता रहा है। एक ही नेटवर्क पर दोनों प्रकार की ट्रेनों के बढ़ते दबाव के कारण कई बार मालगाड़ियों की गति और परिचालन क्षमता प्रभावित होती है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है।जब माल ढुलाई के लिए अलग और अधिक सक्षम रेल मार्ग उपलब्ध होता है, तब यात्री ट्रेनों और मालगाड़ियों के बीच परिचालन का दबाव कम होता है। इससे रेल परिवहन की गति और क्षमता दोनों बढ़ाने में मदद मिलती है। मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार का अर्थ केवल समय की बचत नहीं है। इसका सीधा संबंध उद्योगों की उत्पादन लागत, आपूर्ति श्रृंखला, बाजार तक पहुँच और अंततः उपभोक्ता तक पहुँचने वाली वस्तुओं की कीमत से भी है।भारत जैसे विशाल देश में जहाँ एक क्षेत्र में उत्पादित कच्चा माल दूसरे क्षेत्र के उद्योगों में उपयोग होता है और तैयार उत्पाद देश के अलग-अलग बाजारों में पहुँचते हैं, वहाँ मजबूत माल परिवहन व्यवस्था आर्थिक विकास की बुनियादी आवश्यकता बन जाती है। इसी कारण डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को केवल रेलवे की परियोजना मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह देश के औद्योगिक ढाँचे को मजबूत करने वाली आधारभूत संरचना का हिस्सा है।वडोदरा-रतलाम रेल मार्ग की तीसरी और चौथी लाइन का प्रस्ताव भी इस कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।लगभग 259 किलोमीटर लंबे इस प्रोजेक्ट पर करीब 8,885 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इस परियोजना का उद्देश्य मौजूदा रेल मार्ग की क्षमता को बढ़ाने और यात्री तथा माल यातायात को अधिक सुगम बनाना है। पश्चिम भारत को मध्य भारत से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग की क्षमता में वृद्धि का प्रभाव केवल रेल परिचालन तक सीमित नहीं रहेगा। इससे व्यापारिक गतिविधियों और क्षेत्रीय आर्थिक संपर्क को भी मजबूती मिलने की संभावना है।वडोदरा केवल गुजरात का एक महत्वपूर्ण शहर नहीं है, बल्कि पश्चिम भारत के औद्योगिक, वाणिज्यिक और परिवहन नेटवर्क का प्रमुख केंद्र भी है। यहाँ पेट्रोकेमिकल, इंजीनियरिंग, विनिर्माण और अन्य औद्योगिक गतिविधियों का मजबूत आधार मौजूद है। ऐसे में रेल आधारभूत संरचना का विस्तार वडोदरा की आर्थिक क्षमता को और मजबूत कर सकता है। इसका प्रभाव गुजरात के साथ-साथ मध्य प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों तक माल एवं यात्री आवागमन पर पड़ सकता है।

इस अवसर पर जबलपुर-टाडा रोड रेल सेक्शन तथा Vishwamitri-Dabhoi गेज परिवर्तन परियोजना सहित

अन्य कार्य भी कार्यक्रम का हिस्सा बताए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त नए रेल सेवा संचालन की शुरुआत भी प्रस्तावित है। गेज परिवर्तन जैसी परियोजनाएँ पुराने और नए रेल नेटवर्क के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों को बड़े आर्थिक और परिवहन केंद्रों से जोड़ने की संभावनाएँ बढ़ती हैं।यही वह बिंदु है जहाँ आधारभूत संरचना का वास्तविक अर्थ सामने आता है। कोई रेल लाइन केवल पटरियों, पुलों और स्टेशनों का समूह नहीं होती। उसके साथ लोगों की आवाजाही, व्यापार, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बाजार की संभावनाएँ जुड़ी होती हैं। किसी छोटे शहर या ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर रेल संपर्क मिल जाए तो वहाँ के लोगों के लिए बड़े शहरों तक पहुँचना आसान होता है। व्यापारियों के लिए बाजार का दायरा बढ़ता है और युवाओं के लिए रोजगार तथा शिक्षा के नए अवसर खुल सकते हैं।विकास की इस तस्वीर का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू रोजगार और अर्थव्यवस्था से जुड़ा है। किसी भी बड़े बुनियादी ढाँचे का वास्तविक महत्व केवल उसके निर्माण पर खर्च होने वाली राशि से नहीं आँका जा सकता। असली प्रभाव तब सामने आता है जब वह परियोजना उद्योगों के लिए परिवहन आसान करती है, किसानों और व्यापारियों को बाजार से जोड़ती है, लॉजिस्टिक लागत घटाती है और नए निवेश का रास्ता खोलती है।रेल परियोजनाओं के निर्माण के दौरान प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। निर्माण सामग्री, परिवहन, इंजीनियरिंग, तकनीकी सेवाओं और स्थानीय व्यवसायों को भी इससे लाभ मिलता है। परियोजना पूरी होने के बाद उसका प्रभाव और व्यापक हो सकता है। बेहतर संपर्क के कारण नए उद्योग, वेयरहाउस, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे-बड़े कारोबारी प्रतिष्ठान विकसित होने की संभावना बढ़ती है।भारत में पिछले कुछ वर्षों से रेलवे को केवल यात्री परिवहन का माध्यम न मानकर आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण इंजन के रूप में विकसित करने की कोशिश की जा रही है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेज और अधिक व्यवस्थित माल परिवहन से उद्योगों को कच्चा माल पहुँचाने तथा तैयार उत्पाद बाजार तक भेजने में सुविधा मिल सकती है। इसका सीधा संबंध देश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता से भी है।

आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में वही देश अधिक तेजी से प्रतिस्पर्धा कर सकता है जहाँ उत्पादन के साथ-साथ लॉजिस्टिक व्यवस्था भी प्रभावी हो। यदि किसी उत्पाद को कारखाने से बाजार तक पहुँचाने में अत्यधिक समय और लागत लगती है तो उसका प्रभाव उद्योग की प्रतिस्पर्धा पर पड़ता है। भारत को वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला का महत्वपूर्ण केंद्र बनाने की दिशा में परिवहन ढाँचे की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वडोदरा में होने वाला यह ऐतिहासिक कार्यक्रम राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। नरेन्द्र मोदी का गुजरात से पुराना राजनीतिक संबंध रहा है और राज्य में उनके लंबे प्रशासनिक कार्यकाल की छाप विकास की अनेक योजनाओं में दिखाई देती है। ऐसे में अपने गृह राज्य में हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास उनके विकास मॉडल को जनता के सामने रखने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी होगा।गुजरात लंबे समय से औद्योगिक विकास, बंदरगाह आधारित अर्थव्यवस्था और निवेश के लिए जाना जाता है। ऐसे राज्य में रेल संपर्क और माल ढुलाई की क्षमता बढ़ने का अर्थ औद्योगिक विकास के लिए नए रास्ते खुलना भी है। बंदरगाहों से निकलने वाला माल देश के आंतरिक बाजारों तक जितनी तेजी से पहुँचेगा, उतनी ही प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला विकसित होगी।

वडोदरा में कार्यक्रम के साथ युवाओं और नई पीढ़ी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के परिसर में होने वाले कार्यक्रम में युवाओं और स्टार्टअप से जुड़े लोगों की भागीदारी की तैयारी की गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि विकास की चर्चा को केवल सड़क, रेल और पुल तक सीमित न रखकर नई पीढ़ी, तकनीक, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।भारत की नई अर्थव्यवस्था में स्टार्टअप और तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मजबूत आधारभूत संरचना इस नई अर्थव्यवस्था के लिए भी आवश्यक है। डिजिटल तकनीक से व्यापार शुरू किया जा सकता है, लेकिन उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने के लिए भौतिक संपर्क की आवश्यकता बनी रहती है। इसलिए डिजिटल इंडिया और आधुनिक परिवहन ढाँचा एक-दूसरे के पूरक हैं।

आज भारत जिस गति से आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसमें मजबूत परिवहन ढाँचे की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़क और रेल नेटवर्क जितना सक्षम होगा, उद्योगों और बाजारों के बीच दूरी उतनी ही कम होगी। यही कारण है कि वडोदरा जैसे रणनीतिक स्थान पर होने वाला यह निवेश आने वाले वर्षों में गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा दे सकता है।

वडोदरा की धरती से होने वाला यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यहाँ विकास की कई धाराएँ एक साथ दिखाई दे रही हैं। रेल, फ्रेट कॉरिडोर, सड़क संपर्क और शहरी आधारभूत संरचना को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास उस व्यापक सोच को दर्शाता है जिसमें भारत को आधुनिक, तेज और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के रूप में तैयार करने की कोशिश की जा रही है।फिर भी विकास की किसी भी परियोजना का अंतिम मूल्यांकन उसके उद्घाटन समारोह की भव्यता से नहीं किया जा सकता।किसी परियोजना की असली सफलता तब मानी जाएगी जब वह समय पर पूरी हो, .निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप काम करे और उसका लाभ आम नागरिक तक पहुँचे। हजारों करोड़ रुपये का निवेश अपने आप में उपलब्धि नहीं है। उस निवेश से पैदा होने वाला आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन ही उसकी वास्तविक सफलता का प्रमाण बनेगा।

गुजरात की धरती से निकलने वाला यह विकास संदेश देश के दूसरे राज्यों के लिए भी एक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। यदि रेल संपर्क को औद्योगिक विकास, माल ढुलाई, शहरी विकास, रोजगार और नई तकनीक के साथ जोड़ा जाता है, तो आधारभूत संरचना केवल निर्माण का विषय नहीं रहती, बल्कि वह आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन जाती है।वडोदरा में 8 सितंबर का दिन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में जब हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित होंगी और नई परियोजनाओं की नींव रखी जाएगी, तब यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से सामने रहेगा कि इन परियोजनाओं से गुजरात ही नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम और मध्य भारत की अर्थव्यवस्था को कितनी नई गति मिलती है।

विकास की असली पहचान बड़े आँकड़ों में नहीं, बल्कि उस बदलाव में होती है जो किसी गाँव, शहर, उद्योग, किसान, व्यापारी, यात्री और युवा के जीवन को बेहतर बनाता है। वडोदरा से निकलने वाली विकास की यह नई रेल यदि इस कसौटी पर खरी उतरती है, तो निश्चित रूप से यह आयोजन केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बदलते भारत की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पर्युषण पर अंतरमन का प्रदूषण मिटाएँ, सद्भाव के दीप जलाएँ

हर धर्म और परंपरा में वर्षभर के जीवन क्रम के बीच कुछ ऐसे अवसर आते हैं, जब मनुष्य सांसारिक व्यस्तताओं से थोड़ा विराम लेकर धर्म, साधना, दान-पुण्य और आत्मचिंतन की ओर बढ़ता है। इन अवसरों का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं होता, बल्कि व्यक्ति को अपने जीवन, व्यवहार और विचारों को बेहतर बनाने की प्रेरणा देना भी होता है। जैन धर्म में ऐसा ही महान आध्यात्मिक अवसर पर्युषण महापर्व है। आठ सितंबर से प्रारंभ होने जा रहा यह पर्व जैन समाज के लिए केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मा की ओर लौटने, अपने भीतर झांकने और जीवन में जमी विकृतियों को दूर करने का अवसर है।

लेखक-कांतिलाल मांडोत

सामान्य तौर पर पर्वों की कल्पना उल्लास, मेल-मिलाप, खान-पान और मनोरंजन से जुड़ी होती है। लेकिन पर्युषण की प्रकृति इससे अलग है। यह बाहरी उल्लास से अधिक आंतरिक प्रसन्नता का पर्व है। इसमें व्यक्ति अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, राग और द्वेष जैसे विकारों को पहचानने तथा उन्हें कम करने का प्रयास करता है। जप, तप, स्वाध्याय, सामायिक, प्रतिक्रमण, ध्यान और प्रभु की आराधना के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को आत्मसंयम की दिशा में ले जाने का प्रयास करता है।

पर्युषण का सबसे बड़ा संदेश आत्मचिंतन है। आज का मनुष्य दुनिया और दूसरों के बारे में बहुत कुछ जानता है, लेकिन स्वयं को जानने और समझने के लिए उसके पास समय कम है। दिनभर की भागदौड़ में परिवार, व्यवसाय, समाज और भौतिक आवश्यकताओं की चिंता करते-करते व्यक्ति अपने ही मन से दूर होता चला जाता है। पर्युषण उसे इसी दूरी को समाप्त करने का अवसर देता है।

पर्युषण का भाव ही आत्मा के समीप जाने और स्वयं को देखने से जुड़ा है। मनुष्य जब अपने भीतर झांकता है तो उसे अपने गुणों के साथ अपनी कमियां भी दिखाई देती हैं। यही आत्मनिरीक्षण आगे चलकर आत्मसुधार का मार्ग बनता है। इसलिए पर्युषण को केवल मंदिर जाने या धार्मिक क्रियाएं करने का पर्व मानना इसके व्यापक उद्देश्य को सीमित कर देना होगा। वास्तविक पर्युषण तब है, जब व्यक्ति अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का संकल्प करे।

आज पर्यावरण प्रदूषण की चर्चा पूरे विश्व में होती है। हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषण से बचाने के लिए अनेक प्रयास किए जाते हैं। लेकिन मनुष्य के भीतर जमा होने वाले प्रदूषण की ओर अपेक्षाकृत कम ध्यान जाता है। क्रोध, अहंकार, छल, लोभ, ईर्ष्या, कटुता और द्वेष भी एक प्रकार का आंतरिक प्रदूषण हैं। जब ये भाव मन में लगातार बने रहते हैं तो व्यक्ति स्वयं भी अशांत रहता है और उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होता है। पर्युषण इसी आंतरिक प्रदूषण को दूर करने की साधना है। मन के आंगन में वर्षों से जमा विकारों को विवेक की बुहारी से साफ करने का अवसर है। जिस प्रकार घर की सफाई केवल बाहर से दिखाई देने वाले कचरे को हटाने तक सीमित नहीं होती, उसी प्रकार आत्मशुद्धि भी केवल बाहरी धार्मिक क्रियाओं से पूरी नहीं होती। इसके लिए मन की गहराई में उतरना आवश्यक है। जैन दर्शन में तपस्या और संयम का विशेष महत्व है। पर्युषण के दौरान जप, तप, उपवास, स्वाध्याय और साधना के माध्यम से साधक आत्मा को कर्मों के बंधन से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करता है। आठ दिनों का यह काल साधक के लिए अपनी इंद्रियों, इच्छाओं और प्रवृत्तियों पर अनुशासन स्थापित करने का अवसर बनता है।

इस दौरान अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपवास, एकासना, आयंबिल आदि विभिन्न प्रकार की तप साधनाएं करते हैं। तपस्या का उद्देश्य केवल शरीर को कष्ट देना नहीं, बल्कि इच्छाओं और आसक्तियों पर नियंत्रण प्राप्त करना है। जब मनुष्य अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझने लगता है, तब उसके भीतर संयम की भावना मजबूत होती है।

पर्युषण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष क्षमा है। वर्षभर में जाने-अनजाने किसी के प्रति कटुता, अपमान, क्रोध या अन्याय का भाव उत्पन्न हुआ हो तो उसे स्वीकार करना और क्षमा मांगना आत्मशुद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्षमा केवल सामने वाले से माफी मांगने का नाम नहीं है, बल्कि अपने भीतर जमा हुए द्वेष को समाप्त करने की प्रक्रिया भी है।

यदि मनुष्य अपने जीवन में क्षमा को स्थान दे तो अनेक व्यक्तिगत और सामाजिक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। इसी कारण पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं है। क्षमा, विनय, सरलता, संतोष, समता और सद्भाव जैसे गुण किसी भी धर्म और समाज के लिए उपयोगी हैं। पर्युषण के आठ दिन वास्तव में पूरे वर्ष के जीवन का हिसाब-किताब देखने का अवसर हैं। एक कुशल व्यवसायी जिस तरह लाभ-हानि की समीक्षा करता है, उसी प्रकार व्यक्ति को भी अपने व्यवहार और कर्मों की समीक्षा करनी चाहिए। पूरे वर्ष में कहां क्रोध किया, कहां किसी को दुख पहुंचाया, कहां लोभ या अहंकार हावी हुआ, कहां गलत शब्द बोले और कहां किसी की सहायता करने का अवसर खो दिया, इन सब पर विचार करना आत्ममंथन का हिस्सा है। प्रतिक्रमण जैसी साधनाओं का उद्देश्य भी इसी आत्मनिरीक्षण और शुद्धिकरण से जुड़ा है। अपनी भूल को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। जो व्यक्ति अपनी गलती देख सकता है, वही उसमें सुधार भी कर सकता है।

धर्म केवल पूजा-पाठ और अनुष्ठानों का नाम नहीं है। यदि धार्मिक साधना के बाद भी व्यक्ति के व्यवहार में क्रोध, कटुता, अहंकार और द्वेष कम नहीं होते तो उसे अपनी साधना की दिशा पर विचार करना चाहिए। पर्युषण हमें यही समझाता है कि धर्म जीवन में दिखाई देना चाहिए।

वाणी में मधुरता आए, व्यवहार में विनम्रता आए, जरूरतमंद की सहायता करने की भावना जागे, किसी की निंदा करने से बचें, अनावश्यक विवादों से दूर रहें और धन तथा सामर्थ्य का उपयोग सत्प्रवृत्तियों के लिए करें, तभी धार्मिक साधना सार्थक मानी जा सकती है।

आठ सितंबर से प्रारंभ होने वाला श्वेतांबर जैन समाज का पर्युषण महापर्व अपने निर्धारित धार्मिक क्रम के साथ संपन्न होगा। इसके बाद दिगंबर जैन समाज का दस लक्षण पर्व प्रारंभ होता है। दोनों परंपराओं की अपनी धार्मिक मान्यताएं और साधना पद्धतियां हैं, लेकिन दोनों के केंद्र में आत्मशुद्धि, संयम और सद्गुणों का विकास ही दिखाई देता है।

यह संयोग भी भारतीय धार्मिक परंपरा की उस व्यापक भावना को सामने लाता है, जिसमें अलग-अलग पंथ और परंपराएं अपने-अपने ढंग से मनुष्य को बेहतर जीवन की ओर ले जाने का प्रयास करती हैं।

पर्युषण जैन समाज का महापर्व है, लेकिन इसके संदेश की व्यापकता किसी एक समाज तक सीमित नहीं है। दुनिया में शांति की आवश्यकता हो या परिवार में प्रेम की, समाज में सद्भाव की जरूरत हो या व्यक्ति के जीवन में संतोष की, इन सभी के मूल में आत्मसंयम और सकारात्मक सोच का महत्व है।

आज विज्ञान और तकनीक ने मनुष्य को अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। भौतिक प्रगति हुई है, जीवन की गति बढ़ी है, लेकिन इसके साथ तनाव, असंतोष और अकेलापन भी बढ़ा है। ऐसे समय में पर्युषण जैसे पर्व मनुष्य को याद दिलाते हैं कि बाहरी विकास के साथ आंतरिक विकास भी आवश्यक है।

इसलिए इन आठ दिनों को केवल धार्मिक कैलेंडर की तारीखों के रूप में नहीं, बल्कि स्वयं को बदलने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मन के भीतर जमा क्रोध को क्षमा से, अहंकार को विनय से, लोभ को संतोष से और द्वेष को सद्भाव से दूर करने का प्रयास ही इस पर्व की सच्ची आराधना होगी।

पर्युषण का वास्तविक संदेश यही है कि हम दूसरों के जीवन को देखने से पहले अपने भीतर झांकें। अपने अंतरमन के प्रदूषण को दूर करें और सद्गुणों के सुमन खिलाएं। यदि आठ दिनों की साधना के बाद हमारे विचार थोड़े अधिक निर्मल, व्यवहार थोड़ा अधिक मधुर और मन थोड़ा अधिक शांत हो जाए, तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

शादी के बाद बिखरा रिश्ता

सलमान खान के शो में ईशा रिखी ने खोला दिल का राज

टेलीविजन के लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 में इस बार कई ऐसे चेहरों ने एंट्री ली है, जिनकी व्यक्तिगत जिंदगी सोशल मीडिया और मनोरंजन जगत में काफी सुर्खियों में रही है। इन्हीं में से एक नाम है पंजाबी फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री और मॉडल ईशा रिखी का। शो के प्रीमियर के दौरान होस्ट सलमान खान के सामने अपनी निजी जिंदगी और शादी के टूटने पर ईशा का दर्द छलक पड़ा।

मॉडलिंग से एक्टिंग का सफर और मां का सपनाः ईशा रिखी ने बेहद कम उम्र में ही अपने पिता प्रदीप रिखी को खो दिया था, जिसके बाद उनकी मां पूनम रिखी ने अकेले ही उनका पालन-पोषण किया। मां का खुद अभिनेत्री बनने का सपना था, जिसे उन्होंने अपनी बेटी के जरिए पूरा किया। ईशा ने 17 वर्ष की उम्र में बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने पंजाबी फिल्म जट्ट बॉयज पूत जट्टां दे से डेब्यू किया और जट्ट एंड जूलियट 2, हैप्पी गो लक्की, मेरे यार कमीने तथा अरदास जैसी चर्चित फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी।

बॉलीवुड में कदम और पहचानः वर्ष 2018 में प्रदर्शित हुई डांस-कॉमेडी फिल्म नवाबजादे के जरिए ईशा ने हिंदी सिनेमा जगत में कदम रखा था। रेमो डिसूजा के निर्माण और जयेश प्रधान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने शीतल का मुख्य किरदार निभाया था, जिसमें उनके साथ राघव जुयाल और पुनीत पाठक नजर आए थे।

सिंगर बादशाह संग शादी और पांच महीने में अलगावः ईशा रिखी और मशहूर सिंगर बादशाह की पहली मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड की पार्टी में हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और यह रिश्ता प्यार में बदल गया। लगभग चार साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद मार्च 2026 में दोनों ने एक निजी समारोह में शादी कर ली। हालांकि, शादी के महज पांच महीने बाद ही दोनों के बीच अनबन की खबरें आईं और उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से आपसी सहमति से अलग होने की जानकारी साझा की।

बिग बॉस के मंच पर भावुक हुईं ईशा, सलमान ने दी सलाह

बिग बॉस 20 के मंच पर अपनी पुरानी यादों को साझा करते हुए ईशा रिखी भावुक हो गईं। इस पर शो के होस्ट सलमान खान ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए अतीत को पीछे छोड़कर जीवन में आगे बढ ` और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

सैफ अली खान ने बताई अपनी नई फिल्मी पसंद

बोले- अब ऐसे किरदारों की तलाश रहती है

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अब अपने अभिनय करियर में अलग और परिपक्व किरदारों को चुनने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक विशेष साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म हैवान और सिनेमा जगत में अपने बदलते दृष्टिकोण पर विस्तार से बात की। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सैफ एक ऐसे नेत्रहीन व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो परिस्थितियों से घबराने के बजाय अपनी सूझबूझ और क्षमताओं से संघर्ष करता है। फिल्म में अक्षय कुमार एक नकारात्मक (नेगेटिव) भूमिका में नजर आएंगे।

मैच्योर किरदारों की ओर झुकाव और हैवान का चयनः सैफ अली खान ने बताया कि अब वे 25 साल के युवा वाले किरदारों से इतर अजय देवगन की फिल्म दृश्यम जैसे सस्पेंस और क्राइम थ्रिलर जॉनर में काम करना चाहते हैं। फिल्म हैवान में उनका किरदार मात्र असहाय या बेचारा नहीं है, बल्कि उसके पास संगीत और मार्शल आर्ट की विशेष क्षमताएं हैं। वह एक मर्डर केस में फंसने के बाद अपनी तीव्र श्रवण शक्ति और मानसिक दृढ़ता के बल पर परिस्थितियों का मुकाबला करता है।

अक्षय कुमार का नेगेटिव रोल और दोनों की जोड़ीः फिल्म में अक्षय कुमार की एंट्री का दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए सैफ ने बताया कि प्रियदर्शन जब अक्षय के साथ शूटिंग कर रहे थे, तब उन्होंने दूसरे किरदार की चर्चा की। अक्षय कुमार ने खुद इस टफ और थोड़े नेगेटिव रोल को करने की इच्छा जताई। सैफ के अनुसार, अक्षय जैसे बड़े स्टार का यह जानते हुए भी इस किरदार के लिए तैयार होना कि फिल्म के केंद्र में उनका किरदार है, उनके लिए एक बेहतरीन तोहफे जैसा है।

सेट पर दुर्घटना से बचाव और एक्शन सीन्स का अनुभवः फिल्म के एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान हुई एक घटना को याद करते हुए सैफ ने बताया कि पुलिस स्टेशन वाले एक फाइट सीन में शीशा टूटने से वे बाल-बाल बचे थे। उम्र बढ़ने के साथ स्टंट करने की चुनौतियों पर उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में स्वयं स्टंट करना काफी मेहनत का काम है। हालांकि वे एक्शन को पसंद करते हैं और समय के साथ उनके एक्शन दृश्यों में परिपक्वता आई है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और आगामी प्रोजेक्ट्स पर रायः ओटीटी माध्यम पर बात करते हुए सैफ ने कहा कि वेब सीरीज में अभिनेताओं को अपने किरदार में गहराई से उतरने और उसे बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। उन्होंने छोटी स्क्रीन और बड़े पर्दे दोनों को कलाकारों के लिए अभिव्यक्ति का समान अवसर बताया। इसके अलावा, कियारा आडवाणी और कनिका ढिल्लों के साथ आगामी प्रोजेक्ट पर उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है और औपचारिक रूप से फिल्म साइन करने के बाद ही वे इस पर आधिकारिक बयान देंगे।

वायरल वीडियो ने उड़ाई अमीषा-हार्दिक के अफेयर की अफवाह

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या का एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों मुंबई के एक प्रसिद्ध होटल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट पर दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं, जिस पर अब अभिनेत्री ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है।

वायरल वीडियो और अफेयर की अफवाहों की शुरुआतः दरअसल, एक सोशल मीडिया यूजर ने दोनों का वीडियो साझा करते हुए दावा किया था कि जिस तरह से अमीषा ने पार्टी के दौरान हार्दिक के कंधे पर हाथ रखा है, उससे उनके बीच अफेयर की अफवाहों को बल मिलता है। यह पोस्ट जैसे ही वायरल हुई, अभिनेत्री अमीषा पटेल तक पहुंच गई।

अमीषा पटेल का पलटवार और यूजर को सलाहः अमीषा पटेल ने इस पोस्ट का स्क्रीनशॉट अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए अफेयर की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि दो दोस्तों के बीच की सामान्य बातचीत और व्यवहार को बेवजह रोमांटिक रूप दिया जा रहा है। अभिनेत्री ने यूजर पर निशाना साधते हुए आगे लिखा कि ऐसी अनर्गल बातें पोस्ट करने से पहले इंसान को असल जिंदगी में दोस्त बनाने की जरूरत है। हार्दिक पांड्या की पर्सनल लाइफ का सचः गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या मॉडल माहीका शर्मा के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्रिकेटर ने वर्ष 2025 में सोशल मीडिया के जरिए अपने इस रिश्ते को सार्वजनिक किया था। इससे पहले उनका विवाह अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से हुआ था, जिनसे बाद में उनका अलगाव हो गया था।

हनुमान अंश ने छुआ वरुण धवन का दिल, बोले- इस फिल्म में कुछ खास और दिव्य है

बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त कमाई और बेहतरीन विषय-वस्तु से दर्शकों का दिल जीत रही फिल्म हनुमान अंश की हर तरफ सराहना हो रही है। आम जनता के साथ-साथ बॉलीवुड सितारे भी इस फिल्म की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इसी क्रम में अब अभिनेता वरुण धवन ने अपनी मां के साथ सिनेमाघर में यह फिल्म देखने के बाद दर्शकों से इसे थिएटर में देखने की विशेष अपील की है।

वरुण धवन ने की फिल्म की जमकर तारीफः रविवार को वरुण धवन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो संदेश साझा करते हुए फिल्म के प्रति अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे हाल ही में अपनी मां के साथ यह फिल्म देखकर लौटे हैं और यह उनके लिए एक बेहद शानदार अनुभव रहा। वरुण ने अपने प्रशंसकों और आम लोगों को सलाह देते हुए कहा कि वे अपने माता-पिता और दोस्तों के साथ सिनेमाघरों में जाकर इस फिल्म का आनंद अवश्य लें।

यह केवल फिल्म नहीं, बल्कि एक दिव्य अनुभव हैः अभिनेता ने आगे स्पष्ट किया कि वे किसी के कहने या किसी व्यावसायिक कारण से यह वीडियो नहीं बना रहे हैं, बल्कि दिल से अपनी बात कह रहे हैं। बचपन से ही भगवान

हनुमान के प्रति अपनी अटूट आस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह फिल्म बेहद ईमानदारी और भक्ति भाव से बनाई गई है। उनके अनुसार, इसे केवल एक फिल्म कहना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह एक अलौकिक अनुभव प्रदान करती है जिसे हर किसी को बड़े पर्दे पर महसूस करना चाहिए।

फिल्म हनुमान अंश' की मुख्य विशेषताएंः विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन और लेखन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' को देशभर के सिनेमाघरों में व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया गया है। इस फिल्म में शोभिना डब्ल्यू. सत्य, विहान एस. हेगड़े, चंदन आनंद, पूर्णिमा तिवारी, अनिल के. रस्तोगी और गुलशन पांडे जैसे मंझे हुए कलाकारों ने अपने अभिनय का जादू बिखेरा है। फिल्म का निर्माण रागिनी एस., नम्रता जी. सिंह, अनुप्रिया ए. नगर और विशाल चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

8 जीत के साथ सबसे आगे 'विडोज बे', 'द पिट' ने भी 4 अवॉर्ड से जमाया रंग

78वें एमी अवॉर्ड्स के मुख्य समारोह से आठ दिन पूर्व आयोजित शुरुआती सेरेमनी में टेलीविजन जगत के चर्चित शोज का दबदबा देखने को मिला। इस भव्य समारोह में 'विडोज बे' और 'द पिट' जैसी प्रसिद्ध सीरीज ने विभिन्न तकनीकी और अभिनय श्रेणियों में बाजी मारी। वहीं लिमिटेड सीरीज 'डीटीएफ सेंट लुइस' ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 श्रेणियों में जीत हासिल की, जिसमें इसके मुख्य कलाकारों डेविड हार्बर और लिंडा कार्डेलिनी ने अपने करियर का पहला एमी पुरस्कार अपने नाम किया।

विडोज बे और द पिट की बड़ी सफलताएंः एप्पल टीवी की हॉरर-कॉमेडी सीरीज 'विडोज बे' ने सिनेमैटोग्राफी, म्यूजिक, साउंड और प्रोडक्शन डिजाइन सहित कुल 8 पुरस्कार जीते, जबकि अभिनेत्री बेट्टी गिलपिन को इसमें बेस्ट गेस्ट एक्ट्रेस इन अ कॉमेडी का सम्मान मिला। दूसरी ओर, 25 नामांकनों के साथ सबसे आगे चल रही मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' ने प्रोस्थेटिक मेकअप और बेस्ट गेस्ट एक्टर सहित 4 एमी अपने नाम किए। इस शो के लिए 73 वर्षीय दिग्गज अभिनेता अर्नेस्ट हार्डन जूनियर को उनके पहले ही नामांकन में बेस्ट गेस्ट एक्टर इन अ ड्रामा का अवॉर्ड दिया गया।

रॉब रीनर को मरणोपरांत सम्मान और अन्य विजेताओं का दबदबाः समारोह का सबसे भावुक क्षण वह रहा जब दिवंगत अभिनेता रॉब रीनर को सीरीज 'द बेयर' के लिए मरणोपरांत बेस्ट गेस्ट एक्टर इन अ कॉमेडी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिस पर दर्शकों ने खड़े होकर लंबे समय तक तालियां बजाईं। इसके अतिरिक्त विंस गिलिगन की सीरीज 'प्लुरिबस' ने 4 एमी जीते, जबकि अभिनेत्री शाइलीन वुडली ने 'पैराडाइज' के लिए अपना पहला एमी अवॉर्ड हासिल किया। हाल ही में रद्द हुई सीरीज 'स्पाइडर नोयर' ने 5 पुरस्कार प्राप्त किए और प्रसिद्ध संगीतकार बैड बनी ने सुपर बाउल हाफटाइम शो के लिए अपना पहला एमी जीतकर इतिहास रचा।

मुख्य समारोह का प्रसारण और तिथियां

शुरुआती दो दिवसीय सेरेमनी के संपादित संस्करण को 12 सितंबर को एफएक्सएक्स पर प्रसारित और हुलू पर स्ट्रीम किया जाएगा। वहीं, संपूर्ण टेलीविजन उद्योग जिस मुख्य एमी अवॉर्ड्स समारोह का इंतजार कर रहा है, उसका भव्य आयोजन 14 सितंबर को पीकॉक थिएटर में होगा, जिसका सीधा प्रसारण एनबीसी और पीकॉक प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

श्रीसंत-सैमसन के बीच हैंडशेक मिस हुआ या जानबूझकर? वायरल वीडियो पर फैंस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। केरल क्रिकेट लीग 2026 के खिताबी मुकाबले के समापन समारोह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत मंच पर उपस्थित अन्य अतिथियों से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन स्टार बल्लेबाज संजू सैमसन के साथ उनका हैंडशेक नहीं होता। इस क्लिप के सामने आने के उपरांत दोनों खिलाड़ियों के मध्य संभावित मतभेद को लेकर इंटरनेट पर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है, यद्यपि इस विषय पर दोनों में से किसी ने भी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। लीग के फाइनल मुकाबले के उपरांत आयोजित प्रेजेंटेशन सेरेमनी के दौरान संजू सैमसन ट्रॉफी और अधिकारियों के साथ मंच पर पहले से उपस्थित थे। इसी बीच एस. श्रीसंत मंच पर आए और उन्होंने वहां मौजूद अन्य लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए हाथ मिलाया। हालांकि, वायरल वीडियो में श्रीसंत और सैमसन के बीच कोई संवाद या हैंडशेक दिखाई नहीं दिया। इस छोटे से दृश्य को लेकर सोशल मीडिया पर प्रशंसकों द्वारा तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारत पर जीत से शुरू हुआ पाकिस्तान का बुरा दौर? पूर्व कप्तान ने बताई अंदर की कहानी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने राष्ट्रीय टीम के मौजूदा संकट और गिरते प्रदर्शन को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला बयान दिया है। यूसुफ का मानना है कि वर्ष 2021 के टी20 विश्व कप में भारत के विरुद्ध मिली 10 विकेट की ऐतिहासिक जीत आगे चलकर पाकिस्तानी टीम के लिए बड़ी समस्या बन गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस मुकाबले के बाद खिलाड़ियों में अति-आत्मविश्वास आ गया, जिससे टीम की दिशा और अनुशासन पूरी तरह भटक गया। दुबई में खेले गए 2021 टी20 विश्व कप के मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत द्वारा दिए गए 152 रनों के लक्ष्य को बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया था। विश्व कप इतिहास में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की यह पहली जीत थी। हालांकि, मोहम्मद यूसुफ के अनुसार, इस जीत ने पाकिस्तान क्रिकेट का सबसे अधिक नुकसान किया क्योंकि इसके बाद खिलाड़ियों ने मान लिया कि उन्होंने सबकुछ हासिल कर लिया है और वे आगे की रणनीतियों पर ध्यान देना भूल गए। यूसुफ ने खिलाड़ियों में आई अवांछित अकड़ और टीम के भीतर मची गुटबाजी पर कड़ा प्रहार किया।

भारत की खिताबी जीत के साथ शुरू हो सकता है नया ड्रामा, ट्रॉफी को लेकर फिर बड़ा सवाल

नई दिल्ली। पुरुष एशिया कप की ट्रॉफी को लेकर बीते समय में हुआ विवाद अभी पूरी तरह शांत नहीं हुआ है कि अब महिला एशिया कप में भी वैसी ही स्थिति उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन मोहसिन नकवी 13 सितंबर को आयोजित होने वाले महिला एशिया कप के फाइनल मुकाबले के लिए दुबई में मौजूद रहेंगे। उन्हें समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है। उनके हाथों विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपे जाने की संभावना के कारण एक बार फिर विवाद गहराने की अटकलें लगाई जा रही हैं। मोहसिन नकवी महिला एशिया कप के खिताबी मुकाबले के दौरान स्टेडियम में मौजूद रहेंगे। हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली भारतीय महिला टीम टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुकी है और उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यदि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचकर विजय हासिल करती है, तो पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान नकवी से ट्रॉफी स्वीकार करने को लेकर गतिरोध की स्थिति बन सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए हालिया मुकाबले में भी दोनों टीमों की कप्तानों के बीच पारंपरिक हैंडशेक नहीं देखने को मिला था। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने मैच के दौरान एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया था।

ईशान किशन का जबरदस्त कमबैक
बल्ले से कर रहे कमाल

नई दिल्ली ● एजेंसी

दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन का नेतृत्व कर रहे आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन का शानदार फॉर्म जारी है। मैच के दूसरे दिन किशन ने अपनी शतकीय पारी को पहले दोहरे शतक में बदलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का दूसरा दोहरा शतक है। एक समय राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद घरेलू क्रिकेट में कप्तानी और लगातार रनों की बरसात करके ईशान ने यह साबित कर दिया है कि उनकी वापसी अब एक बेहद मजबूत मुकाम पर पहुंच चुकी है।

ब्रेक लेने के विवाद से केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने तक का सफर: दिसंबर 2023 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ईशान किशन ने निजी कारणों से ब्रेक मांगा था, जिसके बाद उन्हें केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले और टीम के मुख्य विकेटकीपर रहे ईशान के लिए यह दौर काफी मुश्किलों भरा रहा। हालांकि, राष्ट्रीय टीम की योजनाओं से बाहर रहने के दौरान उन्होंने निराश होने के बजाय अपनी फिटनेस, तकनीक और घरेलू क्रिकेट में ध्यान केंद्रित कर खुद को दोबारा तैयार किया।

घरेलू क्रिकेट में धमाकेदार प्रदर्शन और टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक वापसी: ईशान किशन की वापसी की कहानी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 से शुरू हुई, जहां उनकी कप्तानी में झारखंड ने अपना पहला खिताब जीता। टूर्नामेंट में करीब 197 के आक्रामक स्ट्राइक रेट से रन बनाने के बूते उन्होंने 2026 टी20 विश्व कप की भारतीय टीम में जगह बनाई। न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाने के बाद विश्व कप में भी उन्होंने पाकिस्तान और फाइनल मुकाबले में कीवियों के खिलाफ मैच जिताऊ पारियां खेलीं। इसके बाद आईपीएल 2026 में 602 रन बनाकर वे आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बने।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में रिकॉर्ड दोहरा शतक और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन: एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईशान किशन ने 204 रनों की मैराथन पारी खेलकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपने 4,000 रन पूरे किए। इस दौरान उन्होंने कुमार कुशाग्र के साथ पांचवें विकेट के लिए 230 रनों की बड़ी साझेदारी की। कप्तानी के मोर्चे पर भी आक्रामक रणनीतियों और शानदार गेंदबाजी बदलावों के जरिए उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता को साबित किया है। आलोचनाओं और लंबे संघर्ष के बाद ईशान की यह पारी उनके धैर्य और अटूट आत्मविश्वास को दर्शाती है।

रिंकू की कप्तानी, दिव्यांश का तूफान और विशाल की घातक गेंदबाजी, मेरठ ने रचा खिताबी इतिहास

नई दिल्ली ● एजेंसी

रिंकू सिंह की कप्तानी में मेरठ मेवरिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूपी टी20 लीग 2026 की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। खिताबी मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने एकतरफा खेल दिखाते हुए लखनऊ फाल्कंस को 94 रनों के बड़े अंतर से पराजित किया। यह दूसरी बार है जब मेरठ की टीम ने इस लीग का खिताब अपने नाम किया है; इससे पूर्व वर्ष 2024 में भी टीम विजेता बनी थी।

दिव्यांश जोशी के तूफानी शतक से मेरठ ने बनाया विशाल स्कोर

टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेरठ मेवरिक्स को स्वास्तिक चिकारा (18 रन) और दिव्यांश जोशी ने 53 रनों की मजबूत शुरुआत दिलाई। मध्यक्रम में ऋतुराज शर्मा ने 24 और अक्षय दुबे ने 15 रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान रिंकू सिंह मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, एक छोर संभाले खड़े दिव्यांश जोशी ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 40 गेंदों में 105 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेली। 262 के स्ट्राइक रेट से खेली गई इस पारी में उन्होंने 12 चौके और 7 छक्के जड़े, जिसकी बदौलत मेरठ ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रनों का विशाल लक्ष्य खड़ा किया।

विशाल चौधरी की घातक गेंदबाजी के आगे पस्त हुई लखनऊ की बल्लेबाजी

204 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ फाल्कंस का बल्लेबाजी क्रम शुरुआत से ही लडख़ड़ा गया और पूरी टीम 109 रनों पर सिमट गई। टीम के सलामी बल्लेबाज हिमांशु सिंह (5 रन) और आराध्य यादव (5 रन) सस्ते में आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद सैफ (10 रन), अजित वर्मा (4 रन), अक्षु बाजवा (4 रन) और प्रियम गर्ग (0 रन) भी टिककर नहीं खेल सके। भुवनेश्वर कुमार 5 रन बनाकर नाबाद रहे। मेरठ की ओर से गेंदबाज विशाल चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि जीशान अंसारी ने 2 विकेट हासिल कर टीम की खिताबी जीत सुनिश्चित की।

बीसीसीआई की अहम बैठक से गैरहाजिरी के बाद दलीप फाइनल में अगरकर की एंट्री

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दक्षिण क्षेत्र और पूर्वी क्षेत्र के बीच खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबले को देखने पहुंचे। स्टेडियम के कॉरपोरेट बॉक्स में अकेले बैठे अगरकर की यह मौजूदगी भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की हालिया समीक्षा बैठक के बाद पहली सार्वजनिक उपस्थिति है। मैच के पहले दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन के शानदार शतक के बाद अगरकर की उपस्थिति ने ईशान की राष्ट्रीय टेस्ट टीम में वापसी की अटकलों को फिर तेज कर दिया है।

बीसीसीआई की समीक्षा बैठक से अनुपस्थिति पर दी गई सफाई: मुंबई में आयोजित हुई बीसीसीआई की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में अगरकर के शामिल न होने पर उनके भविष्य को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इस बैठक में आगामी 2027 वनडे विश्व कप की रणनीतियों और हालिया सीरीज के प्रदर्शन पर चर्चा हुई थी। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया कि कम समय के नोटिस पर बुलाई गई इस बैठक के दौरान अगरकर शहर से बाहर थे और इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या के कारण ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके थे।

चयन समिति के भविष्य पर किसी भी चर्चा से इनकार: बीसीसीआई सचिव ने इन खबरों का भी खंडन किया कि समीक्षा बैठक में चयन समिति के कार्यकाल या अगरकर के अनुबंध पर कोई बात हुई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बैठक का संपूर्ण ध्यान केवल टीम के प्रदर्शन और आगामी घरेलू व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरों की रणनीतियों पर केंद्रित था। चयन समिति को लेकर बोर्ड स्तर पर कोई नकारात्मक चर्चा नहीं हुई है।

आगामी सीरीज और भारत ए के दौरों पर चयनकर्ताओं की नजर: अगरकर का दलीप ट्रॉफी फाइनल देखने पहुंचना आगामी क्रिकेट सत्र के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आने वाले महीनों में भारत ए को ऑस्ट्रेलिया ए और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। इस मैच के अलावा चयन समिति के अन्य सदस्य—अजय रात्रा, आरपी सिंह, एसएस दास और प्रज्ञान ओझा भी बेंगलुरु में आयोजित क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैचों पर नजर बनाए हुए थे, ताकि घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को आगे अवसर दिए जा सकें।

गिल ने मचाई तबाही, लुधियाना के खिलाफ जड़ी तूफानी पारी

एक रन से हारकर अर्शदीप की टीम फिसली

नई दिल्ली ● एजेंसी

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में रविवार को भारतीय कप्तान शुभमन गिल की एंट्री से मुकाबले का रोमांच चरम पर पहुंच गया। फाजिल्का फाल्कंस की ओर से अपना पहला मैच खेल रहे गिल ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। अंतिम गेंद तक चले इस सांभर-धक मुकाबले में फाजिल्का फाल्कंस ने अर्शदीप सिंह की कप्तानी वाली लुधियाना लायंस को महज एक रन से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की।

गिल का आक्रामक डेब्यू और कार्तिक चड्ढा की घातक गेंदबाजी: लुधियाना लायंस के कप्तान अर्शदीप सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पारी की शुरुआत करते हुए शुभमन गिल ने केवल 21 गेंदों में 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 40 रनों की आक्रामक पारी खेली। हालांकि, लुधियाना के गेंदबाज कार्तिक चड्ढा ने फाजिल्का की रन गति पर ब्रेक लगाते हुए गिल का अहम विकेट हासिल किया। चड्ढा ने अपने 4 ओवरों में मात्र 9 रन देकर 4 विकेट चटकाए। गिल के आउट होने के बाद प्रीत दत्ता (36) और जयवीर भिंडर सिंह (21) की बदौलत फाजिल्का ने 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 170 रन बनाए।

आखिरी गेंद तक चला हाई-वोल्टेज ड्रामा, एक रन से चूकी लुधियाना: 171 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही और लगातार गिरते विकटों से रन गति धीमी पड़ गई। कार्तिक शर्मा ने 32 रनों का योगदान दिया, लेकिन अंत में कृष्ण भगत (नाबाद 28) और माधव पथानिया (16 गेंदों में नाबाद 37) ने 29 गेंदों पर 61 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी कर मैच में वापसी कराई। अंतिम ओवर में जीत के लिए 19 रन चाहिए थे और अंतिम गेंद पर 6 रनों की दरकार थी, लेकिन पथानिया केवल चौका ही जमा सके। फाजिल्का फाल्कंस ने 1 रन से मैच अपने नाम किया और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

बॉटम — 2023 और 2026 की भारतीय टीम में जानिए क्या-क्या बदला

एशियन गेम्स 2026 : गोल्ड बचाने का मिशन, लेकिन टीम नई!

नई दिल्ली ● एजेंसी

एशियन गेम्स 2023 में भारतीय क्रिकेट टीमों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वर्ष 2026 के एशियन गेम्स में भारतीय दल एक बार फिर अपने स्वर्णिम प्रदर्शन को दोहराने के इरादे से मैदान में उतरेगा। हालांकि, 2023 की तुलना में 2026 की भारतीय टीमों के स्वरूप में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जहां पुरुष टीम का ढांचा काफी हद तक बदल चुका है, वहीं महिला टीम का मुख्य आधार अब भी काफी हद तक स्थिर नजर आ रहा है।

श्रेयस अय्यर के हाथों में पुरुष टीम की कमान, बुमराह और सूर्यवंशी की नई एंट्री: 2023 के एशियन गेम्स में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेलने उतरी पुरुष टीम में इस बार बड़ा फेरबदल हुआ है। 2026 के लिए टीम की बागडोर श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है। 2023 के 15 सदस्यीय दल में से केवल पांच खिलाड़ी—तिलक वर्मा, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह ही अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। नए बदलावों के तहत बल्लेबाजी में युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन को शामिल किया गया है, जबकि गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने के लिए जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती जैसे अनुभवी गेंदबाजों को टीम से जोड़ा गया है। ऑलराउंडर के रूप में अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा भी टीम को नया संतुलन प्रदान कर रहे हैं।

महिला टीम में निरंतरता कायम, हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में उतरेगा दल: पुरुष टीम के विपरीत भारतीय महिला टीम में बदलावों के बावजूद एक मजबूत निरंतरता देखने को मिल रही है। 2023 के स्वर्ण पदक विजेता दल की छह प्रमुख खिलाड़ी इस बार भी टीम का हिस्सा हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ-साथ उपकप्तान स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और विकेटकीपर ऋचा घोष जैसे मुख्य स्तंभ 2026 के स्क्वॉड में भी शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग में रेणुका सिंह ठाकुर, राधा यादव, श्री चरणी और क्रांति गौड़ को अवसर दिया गया है।

2023 के स्वर्णिम इतिहास को दोहराने की चुनौती

2023 के हांग्झू एशियन गेम्स में पुरुष टीम ने उच्च वरीयता के आधार पर फाइनल में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था, जबकि महिला टीम ने फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को 19 रनों से मात देकर ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। 2026 के अभियानों के तहत महिला टीम 17 सितंबर को जापान के विरुद्ध अपने क्वार्टर फाइनल मैच से शुरुआत करेगी, वहीं पुरुष टीम का पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। दोनों ही वर्ग इस बार बदले हुए संयोजन और नए रणनीतिक कौशल के साथ अपनी श्रेष्ठता साबित करने के उद्देश्य से मैदान में उतरेंगे।

अरावली विवाद में सुप्रीम कोर्ट सख्त, विशेषज्ञ समिति की 6 महीने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली ● एजेंसी

अरावली पर्वतमाला और पहाडिय़ों की वैधानिक परिभाषा व संरक्षण के संवेदनशील मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने मामले पर गठित पांच सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति की 6 महीने का अतिरिक्त समय मांगने वाली याचिका को खारिज करते हुए अंतिम रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 30 नवंबर तक की अंतिम मोहलत दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि इसके बाद कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा और कार्य पूरा करने के लिए समिति को जरूरत पडऩे पर दिन-रात जुटना होगा।

सीजेआई की दो टूकः 'मेरी सेवानिवृत्ति तक टालने की मांग': मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की विशेष पीठ ने समिति की ओर से 28 फरवरी 2027 तक समय सीमा बढ़ाने के अनुरोध पर नाराजगी जताई। समिति की पूर्व निर्धारित समयसीमा 31 अगस्त को ही समाप्त हो चुकी थी। अतिरिक्त समय की मांग पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, 'समिति ने मूल रूप से मेरी सेवानिवृत्ति तक मामले को स्थगित करने की मांग की है।' पीठ ने चेतावनी दी कि यदि समिति निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने में असमर्थ रहती है, तो अदालत इसके पुनर्गठन पर विचार करने के लिए बाध्य होगी।

दिन-रात काम करने और व्यापक विचार-विमर्श के निर्देशः सुप्रीम कोर्ट ने समिति को 30 नवंबर तक हर हाल में अंतिम निष्कर्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि वैज्ञानिक और नीतिगत सिफारिशों को अंतिम रूप देने से पहले समिति को राजस्थान और गुजरात के आदिवासी समुदायों, किसानों, पर्यावरणविदों और खदान श्रमिकों सहित सभी हितधारकों के साथ प्रभावी व व्यापक परामर्श प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

अंतरिम नहीं, अंतिम रिपोर्ट लेकर आए समितिः सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार और समिति का पक्ष रखते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दलील दी कि प्रभावित पक्षों और स्थानीय समुदायों को सुनने के लिए अभी सीमित अवसर मिला है, इसलिए व्यापक रिपोर्ट हेतु 28 फरवरी 2027 तक का समय जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि एक अंतरिम रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। इस पर पीठ ने दो टूक कहा कि अदालत केवल अंतरिम रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं होगी, समिति को सीधे अंतिम रिपोर्ट पेश करनी चाहिए। हालांकि, अरावली से जुड़े किसी अत्यावश्यक मुद्दे पर अदालत के तुरंत हस्तक्षेप के लिए अंतरिम बिंदु प्रस्तुत करने की छूट दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को तय की गई है।

समिति का गठन और 100 मीटर ऊंचाई की परिभाषा पर विवादः सुप्रीम कोर्ट ने जून माह में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ढ्ढष्टस्नक्रश्व) के महानिदेशक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। इस समिति को अरावली पहाडिय़ों और पर्वतमालाओं की वैज्ञानिक परिभाषा, सीमांकन और पर्यावरणीय-पारिस्थितिक प्रभावों का समग्र अध्ययन कर 31 अगस्त तक रिपोर्ट देने का जिम्मा सौंपा गया था। यह पूरा मामला अरावली की परिभाषा से जुड़ी सुप्रीम कोर्ट की स्वतः संज्ञान कार्यवाही से संबंधित है। पूर्व में एक संशोधित परिभाषा के तहत केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले भू-भागों को ही अरावली पहाड़ी मानने का प्रस्ताव था। इस पर मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने गंभीर चिंता जताई थी कि इस मानक से अरावली के विशाल और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील हिस्से कानूनी संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएंगे और खनन माफिया को लाभ पहुंचेगा। इसी कारण शीर्ष अदालत ने संशोधित परिभाषा पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने और विशेषज्ञ समिति से समग्र वैज्ञानिक आकलन कराने का निर्देश दिया था।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली बिल्डिंग हादसा : हाईकोर्ट ने जताया दुख, 7 मृतकों की पहचान हुई

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे में मोती लाल नेहरु कॉलेज के दो छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के बाद से फरार चल रहे भवन मालिक हरिराम बंसल को दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में ले लिया है और उसे दिल्ली लाया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने कड़ी दंडात्मक कार्रवाई शुरु कर दी है। हादसे पर कड़ा संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली नगर निगम (रुष्टष्ठ) के पांच अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर रणवीर सिंह, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर ललित कुमार गोयल, असिस्टेंट इंजीनियर सुनील चौहान और जूनियर इंजीनियर आशीष कुमार शामिल हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ट्वीट कर इस कार्रवाई की पुष्टि की और दिल्ली में सभी अनधिकृत पांचवीं मंजिलों को तुरंत सील करने के आदेश दिए हैं। हादसे में जान गंवाने वालों में मोती लाल नेहरु कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष के दो छात्र शामिल हैं।

7 जिंदगियां गईं, अब होगी बड़ी बैठक, इमारत हादसे पर एलजी ने बुलाई हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में दर्दनाक हादसे का शिकार हुई पांच मंजिला निर्माणाधीन इमारत ढहने के मामले में मरने वालों की संख्या बढक़र सात हो गई है। राहत व बचाव कार्य अंतिम चरण में है, जिसमें अब तक 12 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। घटना के बाद से ही मकान मालिक हरिराम बंसल फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष अभियान शुरु कर दिया है। फरार मकान मालिक हरिराम बंसल को दबोचने के लिए दिल्ली पुलिस ने 10 विशेष टीमें गठित की हैं, जिनमें लोकल पुलिस, स्पेशल स्टाफ और अन्य ऑपरेशनल यूनिट्स के जवान शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में यह टीमें दिल्ली, हरियाणा (गुरुग्राम) और उत्तर प्रदेश में संभावित ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं। बंसल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने आज एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है।

सत्य निकेतन हादसे में मुख्य आरोपी पर शिकंजा, हरिराम बंसल भिवाड़ी से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत ढहने के दर्दनाक हादसे के बाद से फरार चल रहे कथित मकान मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हादसे के बाद लुकआउट सर्कुलर जारी होने के बाद से पुलिस की 10 टीमें उसकी तलाश में कई राज्यों में दबिश दे रही थीं, जिसके बाद उसे राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया। फिलहाल पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है। हादसे में 7 लोगों की मौत और 12 लोगों के घायल होने के बाद दिल्ली नगर निगम (रुष्टष्ठ) ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एमसीडी कमिश्नर संजीव खिरवार ने बताया कि हादसे वाली इमारत के पास स्थित एक अन्य कमजोर इमारत को 1-2 दिनों में चरणबद्ध तरीके से गिराया जाएगा। नगर निगम के अनुसार, अवैध निर्माण और जर्जर इमारतों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। पिछले तीन महीनों के भीतर दिल्ली में 960 इमारतों को ध्वस्त किया गया है, जबकि 407 इमारतों को सील किया गया है। इसके अलावा, लगभग 1500 अन्य इमारतों को सीलिंग और ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी किए गए हैं।

मिस्र में भारतीय वायुसेना का शानदार प्रदर्शन, सारंग टीम दिखाएगी सटीक उड़ान और रोमांचक करतब

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारतीय वायुसेना (ढ्ढस्न) की प्रसिद्ध सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम मिस्र के अल अलामीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आयोजित होने वाले दूसरे 'एल अलामीन इंटरनेशनल एयरशो' में भाग लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। यह अंतरराष्ट्रीय एयरशो 8 से 10 सितंबर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। दुनिया की एकमात्र पांच हेलिकॉप्टर वाली यह डिस्प्ले टीम मिस्र के आसमान में अपनी बेजोड़ उड़ान क्षमता, सटीक तालमेल और पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करेगी, जो भारत और मिस्र के बीच मजबूत होते रक्षा व कूटनीतिक संबंधों को दर्शाता है।

स्वदेशी एएलएच ध्रुव से करेगी हैरतअंगेज करतबः सारंग टीम भारत में ही डिजाइन और निर्मित स्वदेशी एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ररु॥) 'ध्रुव' का संचालन करती है। यह टीम बेहद कठिन फॉर्मेशन, कम ऊंचाई पर उड़ान और एक साथ किए जाने वाले हवाई प्रदर्शन के लिए विश्व भर में जानी जाती है। इस एयरशो के दौरान टीम अपना प्रसिद्ध 'डॉल्फिन लीप' मैन्युवर पेश करने के साथ-साथ पहली बार एक नया मैन्युवर 'स्पॉट स्टॉल टर्न' भी दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगी।

वैश्विक मंच पर भारतीय एयरोस्पेस की ताकतः अल अलामीन इंटरनेशनल एयरशो में दुनिया भर की प्रमुख वायुसेनाओं के अलावा एयरोस्पेस, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े वैश्विक विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर सारंग टीम का प्रदर्शन न केवल भारतीय वायुसेना के साहसिक जज्बे को दर्शाएगा, बल्कि भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमता और एएलएच ध्रुव की फुर्ती व बहुमुखी प्रतिभा का लोहा भी मनवाएगा।

डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- तुरंत हिरासत में लिया जाए

नई दिल्ली/पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले के एक स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में शिवसेना पदाधिकारियों द्वारा डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर किए गए हमले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत ने राज्य में डॉक्टरों के साथ बढ़ती मारपीट की घटनाओं पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि चिकित्सकों पर हमला करने वाले लोग खुली छूट या जमानत के हकदार नहीं हैं और सरकार को ऐसे तत्वों को तुरंत हिरासत में लेना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने एक अन्य मामले में जमानत पर बाहर चल रहे शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे को नोटिस जारी कर तीन हफ्ते में जवाब तलब किया है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा म्हात्रे की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने टिप्पणी की कि पालघर में डॉक्टरों के साथ मारपीट की नई घटना यह दर्शाती है कि स्थिति बिगड़ रही है।

अमेरिकी ब्लॉकेड से निपटने की तैयारी, ईरान जल्द खोलेगा नया समुद्री रास्ता

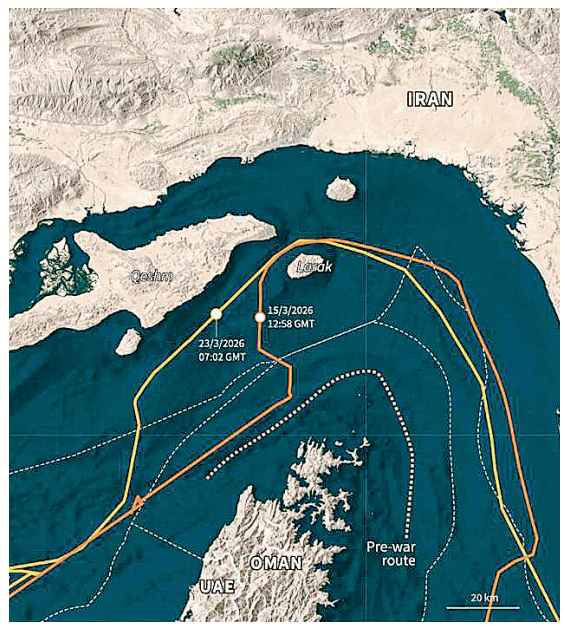

तेहरान/गाजा ● एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ा तनाव अब और गहरा गया है। ईरान के वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मोहसेन रेजाई ने घोषणा की है कि तेहरान जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास एक प्रतिबंधित क्षेत्र लागू करेगा। इसके साथ ही, ओमान के सहयोग से इस जलडमरूमध्य के लिए एक नया शिपिंग रूट भी शुरू किया जाएगा। यह फैसला अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरान के तीन तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने के बाद आया है, जिसके बाद ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर कालिबफ ने अमेरिका को किसी भी नए हमले पर विनाशकारी पलटवार की चेतावनी दी है।

गाजा और वेस्ट बैंक में इजरायली हमलों में 6 की मौतः मिडिल ईस्ट में हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को गाजा पट्टी में इजरायल द्वारा किए गए अलग-अलग हमलों में कम से कम 5 फिलिस्तीनियों की जान चली गई। वहीं, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियों के बसने वालों (सेटलर्स) की गोलीबारी में एक फिलिस्तीनी किशोर की मौत हो गई, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश फैल गया है।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान पर इजरायली बमबारीः अमेरिकी मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के बाद भी इजरायल द्वारा लेबनान में सैन्य कार्रवाई जारी है। रविवार को हुए ताजा इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। लगातार हो रही बमबारी से लेबनान के सीमावर्ती इलाकों में मानवीय संकट गहराता जा रहा है और आम लोग पलायन को मजबूर हैं।

थेरांग नदी में अचानक आई बाढ़, गोरखा में चार घर तबाह और सस्पेंशन ब्रिज बहा

काठमांडू/बीजिंग ● एजेंसी

नेपाल के पहाड़ी जिले गोरखा में रविवार सुबह थेरांग नदी के उफान पर आने से भयानक बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई, जिसके बाद प्रशासन ने बूढ़ी गंडकी नदी बेसिन क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। बाढ़ के तेज बहाव में चार मकान और एक सस्पेंशन ब्रिज बह गए। हालांकि, समय रहते जलस्तर बढऩे की सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिक अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए, जिससे किसी जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। बता दें कि 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ में अब तक 1,344 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं, जबकि करीब 5 हजार लोग अब भी लापता हैं। शुरुआती अनुमान के मुताबिक इस प्राकृतिक आपदा से करीब 400 अरब नेपाली रुपये का नुकसान हुआ है, जिसका सीधा असर पर्यटन उद्योग पर पड़ रहा है और सितंबर से नवंबर के पीक सीजन में होटलों की बुकिंग रद्द हो रही हैं।

26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर ग्लेशियर टूटने और भीषण भूस्खलन के बाद आई तबाही में तिब्बत क्षेत्र के 43 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 519 लोग अभी भी लापता हैं। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इस आपदा से नेपाल और तिब्बत दोनों ही इलाकों में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है और राहत व बचाव कार्य जारी हैं।

बॉटम — कई मोर्चों को एक साथ सक्रिय करने की तैयारी

भारत के दोस्त पर ईरान की नजर, बिछाया जाल, बड़े हमले की तैयारी का दावा

तेहरान/तेल अवीव ● एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष के बीच अब इजरायल के साथ भी तनाव बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। इजरायली खुफिया रिपोर्टों और आकलनों के हवाले से बड़ा दावा किया जा रहा है कि ईरान अब इजरायल पर 7 अक्टूबर 2023 जैसे एक और बड़े और चौतरफा हमले की योजना बना रहा है। इस रणनीति का मुख्य मकसद क्षेत्रीय सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर इजरायल को एक ही समय में कई मोर्चों से घेरना और कमजोर करना है।

ईरानी रणनीति के तहत इस संभावित हमले में लेबनान का हिजबुल्लाह, गाजा का हमास, यमन के हूती विद्रोही और इराक के ईरान समर्थित मिलिशिया समूह एक साथ शामिल हो सकते हैं। 7 अक्टूबर को हमास के हमले के समय क्षेत्रीय मोर्चों के बीच सटीक तालमेल की कमी रह गई थी। अब ईरान उसी खामी को दूर कर उत्तर, दक्षिण और पूर्वी सीमाओं से एक साथ हमला करने की सैन्य क्षमता तैयार कर रहा है।

'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' और कुद्स फोर्स की सक्रियताः रिपोर्टों के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) की कुद्स फोर्स के शीर्ष अधिकारियों ने हिजबुल्लाह, हूती और इराकी कमांडरों के साथ हाल ही में गुप्त वार्ताएं की हैं। 'एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस' के इस नेटवर्क को फिर से मजबूत करने के लिए मिसाइल व ड्रोन उत्पादन को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। सीरिया और लेबनान में हुए नुकसान के बाद अब ईरान का ध्यान इराक और यमन के गुटों के साथ रणनीतिक तालमेल बढ़ाने पर केंद्रित है।

हमास के नए नेतृत्व से मजबूत हुए संबंधः हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हय्या की नियुक्ति ने तेहरान और हमास के रिश्तों को और प्रगाढ़ कर दिया है। ईरान के करीबी माने जाने वाले अल-हय्या के कमान संभालने के बाद से इजरायल के खिलाफ उत्तर और दक्षिण दोनों ओर से एक साथ दबाव बनाने की गतिविधियां तेज हुई हैं।

इजरायल की हाई अलर्ट स्थितिः 7 अक्टूबर के दर्दनाक हादसे के बाद से इजरायली सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। इजरायल की नजर अब केवल गाजा या लेबनान तक सीमित न रहकर इराक, यमन और ईरान की हर हलचल पर है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि यह केवल राजनीतिक व सैन्य दबाव बनाने का पैंतरा है या वास्तव में किसी बड़े हमले की पटकथा लिखी जा चुकी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा आरडी प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड B-48, सेक्टर 8, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, नई दिल्ली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 34 शंकर मार्केट कनॉट प्लेस, नई दिल्ली से प्रकाशित।
संपादक- शिवेंद्र प्रताप सिंह आर.एन.आई. Reg. No. DLHIN/26/A2738 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र नई दिल्ली रहेगा)